सांध्य दैनिक

श्रीकंचनपथ

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534
डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./ दुर्ग /94/2023-25

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

वर्ष- 16 अंक - 98 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, सोमवार 20 जनवरी 2025 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

खास-खबर

मुख्यमंत्री ने अमर शहीद गेंदसिंह के शहादत दिवस पर उन्हें किया नमन

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने आज मुख्यमंत्री निवास कार्यालय में अमर शहीद गेंदसिंह के शहादत दिवस पर उनके छायाचित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन किया। मुख्यमंत्री श्री साय ने आजादी के लिए बलिदान देने वाले अमर शहीद गेंदसिंह को याद करते हुए कहा कि परलकोट जमींदारी के जमींदार शहीद गेंद सिंह ने ब्रिटिश अधिकारियों के शोषण के विरुद्ध स्वतंत्रता आंदोलन का शंखनाद किया था। शहीद गेंद सिंह ने अंग्रेजों से लोहा लिया और अपने क्षेत्र में अंग्रेजी शासन की नीतियों का विरोध किया। उन्होंने कहा कि हम सभी शहीद गेंद सिंह का स्मरण कर उनके बताए मार्ग पर चलने का संकल्प लें और समाज के उत्थान में अपना योगदान दें।

बस्तर के आदिवासी भाई-बहनों के अधिकारों के लिए संघर्ष करने वाले मुक्ति आंदोलन के नायक शहीद गेंदसिंह का मातृभूमि की मुक्ति के लिए दिया गया अविस्मरणीय बलिदान हम सभी को देशसेवा के लिये अपना सर्वस्व न्यौछावर करने की प्रेरणा देते रहेगा। इस अवसर पर अखिल भारतीय हलबा हलबी आदिवासी समाज छत्तीसगढ़ केंद्रीय महासभा के अध्यक्ष देवेंद्र महला, आईआर देहारी सहित अन्य सदस्य उपस्थित थे।

भिलाई में सड़क हादसा : बुजुर्ग महिला को हाइवा ने रौंदा, मौत

भिलाई। छावनी थाना क्षेत्र के अंतर्गत नंदिनी रोड पर सोमवार की सुबह हाइवा की चपेट में आने से बुजुर्ग महिला की मौत हो गई। महिला अपने लिए दवा लेने निकली थी इस दौरान सड़क पार करते समय हाइवा की चपेट में आ गई।

मिली जानकारी के अनुसार खजूर मोहल्ला कैंप-2 निवासी लक्ष्मी देवी अपने लिए दवा लेने निकली थी। नंदिनी रोड पर मेडिकल स्टोर्स में दवा लेने जाते समय हाइवा ने पीछे से ठोकर मार दी। हादसे में महिला की मौके पर ही मौत हो गई। घटना की सूचना के बाद छावनी पुलिस पहुंची और शव को पीएम के लिए सुपेला अस्पताल भेजा। हादसे के बाद आसपास काफी भीड़ जमा हो गई। आसपास के लोगों ने दिन के समय इस मार्ग पर भारी वाहनों पर रोक लगाने की मांग भी की।

मुख्यमंत्री साय ने शुरू की दीनदयाल उपाध्याय भूमिहीन कृषि मजदूर कल्याण योजना

छत्तीसगढ़ में अब हर साल भूहमिहीन कृषि मजदूरों को मिलेंगे 10-10 हजार

प्रदेश के भूमिहीन कृषि मजदूरों के खातों में पहुंची 562 करोड़ 11 लाख से ज्यादा की रकम

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ में नगरीय निकाय और पंचायत चुनाव की तारीखों के ऐलान से पहले मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने प्रदेशवासियों को बड़ी सौगात दी है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने सोमवार को न्यू सर्किट हाउस सिविल लाइन्स में आयोजित कार्यक्रम में दीनदयाल उपाध्याय भूमिहीन कृषि मजदूर कल्याण योजना का शुभारंभ किया है। भूमिहीन कृषि मजदूर कल्याण योजना की शुरुआत करने के साथ ही कुछ हितग्राहियों को संकेतिक रूप से 10 हजार रुपए का चेक भी सौंपा। कार्यक्रम के दौरान कार्यक्रम में राजस्व मंत्री टंकराम वर्मा, विधायक पुरंदर मिश्रा, विधायक सुनील सोनी, विधायक अनुज शर्मा सहित अन्य विधायक और अधिकारी मौजूद रहे।

कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री साय ने कहा कि आज पीएम मोदी की एक और गारंटी पूरी हो गई है। विधानसभा चुनाव के दौरान पीएम मोदी ने प्रदेश के भूमिहीन कृषि मजदूरों को एक मुश्त राशि देने का वादा किया था। हमारी सरकार बनने के बाद एक एक कर पीएम मोदी की सभी गारंटियों को पूरा किया जा रहा है। अब यह गारंटी भी पूरी कर दी गई है। मुख्यमंत्री ने कहा कि छत्तीसगढ़ में आज से पंडित दीनदयाल उपाध्याय भूमिहीन कृषि श्रमिक कल्याण योजना शुरू कर दी गई है।

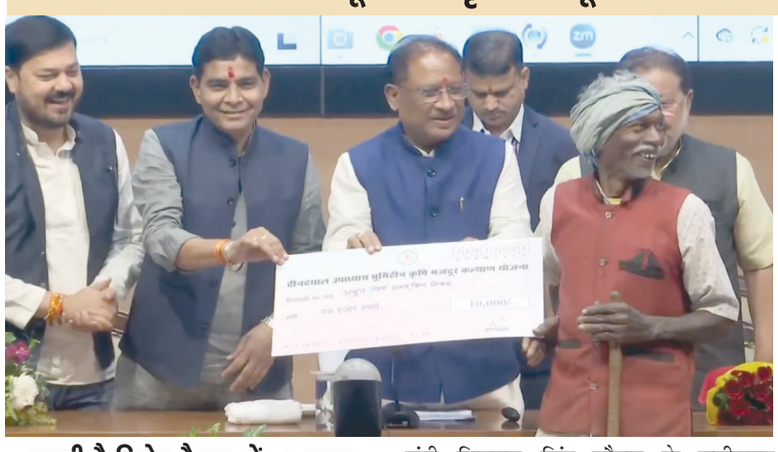

पहली कैबिनेट बैठक में 18 लाख आवासों की स्वीकृति

हमने बीते एक साल में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी की गारंटी को पूरा करने का काम किया है। प्रधानमंत्री आवास योजना अंतर्गत आवासों के निर्माण में तेजी आई है। पहली कैबिनेट बैठक में 18 लाख आवासों की स्वीकृति दी गई है। पहले चरण में 8.47 लाख आवास निर्माण को स्वीकृति मिली थी। इनमें से कई हितग्राहियों के आवास पूर्ण हो गए हैं और अब वे गृह प्रवेश कर रहे है। सीएम साय ने कहा कि कुछ दिन पहले केंद्रीय पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान के छत्तीसगढ़ आगमन पर उन्होंने 3 लाख 88 हजार अतिरिक्त आवास की स्वीकृति दी है। आगामी अप्रैल माह में राज्य को 3 लाख आवासों की स्वीकृति और मिलेगी।

आवास प्लस सर्वे का काम शुरू

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि राज्य में आवास प्लस के सर्वे का काम भी शुरू कर दिया है। पीएम आवास के लिए पात्रता का दायरा बढ़ाया गया है। अब जिनके पास दो पहिया वाहन है, 2.5 एकड़ सिंचित भूमि अथवा 5 एकड़ असिचिंत भूमि, 15 हजार तक की मासिक आमदनी वालों को भी आवास मिलेगा। आवास स्वीकृति की प्रक्रिया को सरल बनाने ऑनलाइन ऐप लॉन्च किया गया है। इससे किसी भी व्यक्ति द्वारा घर बैठे ही आवेदन किया जा सकेगा। राज्य सरकार महतारी वंदन योजना में माताओं और बहनों को एक हजार रुपए की राशि प्रतिमाह दे रही है। उन्होंने कहा कि सारंगढ़ के दानसरा की माताएं और बहनें इस राशि से राममंदिर बनवा रही हैं।

5 लाख 62 हजार भूमिहीन कृषि श्रमिक होंगे लाभान्वित

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि राज्य में पंडित दीनदयाल उपाध्याय भूमिहीन कृषि श्रमिक कल्याण योजना के तहत 5 लाख 62 हजार 112 भूमिहीन कृषि श्रमिक लाभान्वित होंगे। इस योजना के अंतर्गत एक साल में 10- 10 हजार रुपये दिए जा रहे हैं। इसमें बैगा गुनिया भी शामिल है। सभी को इस योजना का लाभ दिया जा रहा है। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने पूरे देश में 50 हजार गांवों के 65 लाख ग्रामीणों को स्वामित्व कार्ड प्रदान किया। इससे कई पीढ़ियों से ग्रामीण क्षेत्रों में आबादी भूमि में निवास कर रहे लोगों को अधिकार पत्र मिल रहा है। छत्तीसगढ़ के दस जिलों में 61 हजार लोगों को स्वामित्व कार्ड वितरण किया गया है। पीएससी घोटाले के दोषियों को सजा दिलाने का कार्य कर रहे हैं। इससे प्रदेश के युवाओं का विश्वास परीक्षा प्रणाली में फिर से लौटा है।

विष्णु के सुशासन में छत्तीसगढ़ का तेजी से विकास

कार्यक्रम में उपस्थित मंत्री टंकराम वर्मा ने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के सुशासन में छत्तीसगढ़ का तेजी से विकास हो रहा है। विधानसभा चुनाव में की गई घोषणाओं को पूरा किया जा रहा है। अब तक हमारी सरकार ने अधिकतर घोषणाओं को पूरा कर दिया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विजन के अनुरूप छत्तीसगढ़ में विष्णुदेव साय की सरकार पंडित दीन दयाल उपाध्याय के सपनों को साकार कर रही है। मजदूर समृद्धशाली बने इसके लिए सभी क्षेत्रों में कार्य हो रहा है। इसी कड़ी में आज भूमिहीन कृषि मजदूरों को 10 हजार रुपए देने का वादा भी पूरा हुआ। सीएम साय ने आज पंडित दीन दयाल उपाध्याय भूमिहीन कृषि श्रमिक कल्याण योजना का शुभारंभ कर दिया।

चाइनीज मांझा ने ली मासूम की जान, गार्डन घूमाने निकला था पिता

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राजधानी के पचपेड़ी नाका में रविवार शाम 5 बजे चायनीज मांझे की वजह से 7 साल के मासूम की मौत हो गई। मासूम पिता के साथ गार्डन घूमने जा रहा था। अचानक एक चाइनीज मांझा उड़कर आया और बच्चे के गले में फंस गए। थोड़ी ही देर में बच्चा लहूलुहान हो गया। अस्पताल ले गए लेकिन मासूम की जान नहीं बच पाई। सवाल ये कि जब हर साल ऐसी घटना होती है फिर भी शहर में धड़ल्ले से चायनीज मांझें की बिक्री होती है। प्रशासन रोक लगा पाने में पूरी तरह नाकाम हैं, केवल प्रतिबंधित कर देने से कुछ नहीं होता। मौत के बाद जांच का ऐलान करने से क्या होगा?

जानकारी के अनुसार संतोषी नगर निवासी धनेश साहू अपने बेटे को दुपहिया वाहन पर बैठाकर गार्डन घूमाने ले जा रहा था। इसी दौरान पचपेड़ी नाका चौक पर चाइनीज मांझा उड़कर आया और बच्चे के गले में फंस गया। इससे मासूम गंभीर रूप से घायल हो गया। थोड़ी ही देर में बच्चा लहूलुहान हो गया। उसे इलाज के लिए अंबेडकर अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उन्होंने दम तोड़ दिया। मामले की शिकायत पर टिकरापारा थाना पुलिस जांच में जुट गई है।

महिला वकील भी आई मांझे की चपेट में, गर्दन कटी

रायपुर शहर में एक और हुई घटना में महिला वकील भी बुरी तरह से घायल हो गई है। हादसा पंडरी मॉल के पास एक्सप्रेस-वे पर हुआ। एक महिला वकील पूर्णशा कौशिक स्कूटी से जा रही थी। तभी मांजा उनके गले पर आ गया। जिससे उनका गले में लम्बा सा कट गया। जब वह जान बचाने के लिए हड़बड़ाते हुए मांझे को निकालने की कोशिश तो उनके हाथ का अंगूठा भी कट गया। आसपास मौजूद लोग उन्हें अस्पताल लेकर गए जहां इलाज करवाया गया। इलाज के बाद फिलहाल महिला स्वस्थ्य है।

बीआईटी कॉलेज में अपनी सीनियर से 36 लाख की ठगी का आरोपी गिरफ्तार

- शिकायत के बाद नागपुर से आरोपी गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। नागपुर में रहने वाले एक युवक ने दुर्ग के बीआईटी कॉलेज में सीनियर रही युवती से 36 लाख रुपए की ठगी कर ली। युवक ने बिटक्वॉइन ऑनलाइन ट्रेडिंग गेम में ज्यादा रिटर्न मिलने का लालच देकर रुपए इन्वेस्ट कराया। लेकिन जब रिटर्न नहीं मिला तो युवती ने पुलिस में शिकायत की। दुर्ग पुलिस ने मामले में नागपुर में पदस्थ सेंट्रल जीएसटी ऑफिसर के बेटे को गिरफ्तार किया है।

स्मृति नगर जुनवानी निवासी वैष्णवी नायर ने सुपेला थाने में 16 अगस्त 2024 को इस मामले की शिकायत दर्ज कराई थी। वैष्णवी ने पुलिस को बताया कि वह साल 2016 में बीआईटी दुर्ग में इंजीनियरिंग की पढ़ाई कर रही थी। उसी दौरान उसके जूनियर तनमय विनोद कोहड़ (28 वर्ष) निवासी न्यू वसुंधरा सोसायटी बेल तरोरी रोड नागपुर से हुई। वैष्णवी इंजीनियरिंग करने के बाद आईटी कंपनी पुणे में जॉब करने लगी। 2019 में अचानक एक दिन तनमय का फोन आया। उसने वैष्णवी से कहा कि उसने इंजीनियरिंग पूरी कर ली है। डिग्री लेने दुर्ग आया है। उनके ऑफिस में कोई जॉब हो तो बताएं। इस पर वैष्णवी ने कहा जॉब होगी तो उसे जरूर बताएगी। फोन पर बात करते करते ही तनमय ने वैष्णवी से कहा कि एक बिटक्वॉइन ऑनलाइन ट्रेडिंग का गेम है। उसमें अच्छा रिटर्न मिलता है। उसने वैष्णवी से लगातार फोन पर बात करते करते 7800 रुपए लेकर उसमें इन्वेस्ट करा दिए। कुछ दिन बाद उसने रिटर्न के रूप में वैष्णवी को 6500 रुपए का प्रॉफिट दिया। वैष्णवी इससे उसके बातों में आ गई।

ऑनलाइन ट्रेडिंग में अच्छे रिटन का भरोसा दिलाया

झांसे में आकर कर दिया इन्वेस्ट

तनमय ने वैष्णवी से कहा कि इसमें और ज्यादा इन्वेस्ट करोगी तो काफी बड़ा फायदा होगा। पैसा रिटर्न की वह गारंटी लेता है। वैष्णवी उसकी बातों में आ गई और उसके खाते में 10 अगस्त 2020 से लेकर 28 अप्रैल 2022 के बीच तीन अलग अलग ट्रांजेक्शन 73051 रुपए, 510362 और 3031299 रुपए डाल दिए। जब वैष्णवी ने अपना रिटर्न मांगा तो तनमय उसे घुमाने लगा। इसे देखते हुए वैष्णवी ने सुपेला थाना में शिकायत दर्ज कराई।

कोंडागांव में स्कूली बच्चों से भरी बस एक ट्रक से टकराई, ड्राइवर व शिक्षक की मौत

- मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने हादसे पर जताया दुख, घायलों के बेहतर इलाज का निर्देश

श्रीकंचनपथ न्यूज

कोंडागांव। कोंडागांव जिले में सोमवार को बड़ा हादसा हो गया। यहां स्कूली बच्चों से भरी बस एक ट्रक से टकरा गई। हादसे में ड्राइवर और एक शिक्षक की मौत हो गई। वहीं कई लोग घायल हो गए। घायलों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। हादसे के वक्त बस में 53 से अधिक लोग सवार थे।

मिली जानकारी के अनुसार मोहला-मानपुर जिले के एक स्कूल के बच्चे शैक्षणिक भ्रमण के लिए बस्तर आए थे। अलग-अलग स्थानों को घूमने के बाद ये सभी लौट रहे थे। इसी दौरान चिखलपुटी नया बस स्टैंड के सामने बस ने एक ट्रक को टक्कर मार दी। हादसे में ड्राइवर और एक शिक्षक की मौके पर मौत हो गई। वहीं 19 से ज्यादा लोग घायल हो गए। सभी घायलों को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

एक अन्य हादसे में भी दो लोगों की मौत हुई है। कोंडागांव जिले में ही नेशनल हाईवे 30 पर लंजोड़ा गांव में तेज रफ्तार बाइक अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकरा गई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि बाइक सवार दोनों युवकों की मौके पर ही मौत हो गई। सिटी कोतवाली कोण्डागांव पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, दोनों मृतक फरसगांव क्षेत्र के निवासी थे। हादसा तब हुआ जब वे फरसगांव से कोण्डागांव की ओर आ रहे थे।

शिक्षक और ड्राइवर की मौत पर सीएम साय ने जताया दुःख

शक्षक और ड्राइवर की मौत पर सीएम साय ने दु:ख जताया है, सीएम ने लिखा है कि कोंडागांव में स्कूली बस और ट्रक के बीच हुई सड़क दुर्घटना में वाहन चालक सहित एक शिक्षक के निधन की खबर अत्यंत दु:खद है। बस में सवार स्कूली बच्चों में कुछ बच्चों के घायल होने की भी खबर है, जिनका इलाज जारी है। जिला प्रशासन को बेहतर चिकित्सकीय व्यवस्था के निर्देश दिए हैं। ईश्वर से दिवंगतों की आत्मा की शांति एवं शोकाकुल परिजनों को संबल प्रदान करने व घायल बच्चों के जल्द से जल्द स्वास्थ्य लाभ की प्रार्थना करता हूं। इधर कोंडागांव कलेक्टर ने जिला अस्पताल पहुंचकर सड़क दुर्घटना में घायल मोहला मानपुर के स्कूली बच्चों का हालचाल लिया। गंभीर रूप से घायल 4 बच्चों को बेहतर इलाज के रायपुर रेफर करने के निर्देश दिए।

चंद कंपनियों के रहमो करम पर लोकतंत्र

श्रीकंचनपथ

राजनीति की गाड़ी में पैसा ग्रीस की तरह काम करता है। पार्टी छोटी हो या बड़ी, इसकी जरूरत सबको होती है। इसलिए यह बहुत जरूरी हो जाता है कि पार्टियों की आमदनी पर नजर रखी जाए। इसके स्रोतों पर भी नजर रखी जाए। लोकतंत्र के स्वास्थ्य के लिए यह बेहद जरूरी है कि राजनीतिक दलों के पृष्ठपोषकों के नाम भी लोगों को पता हों। 2017 में शुरू हुए इलेक्टॉरल बॉन्ड या चुनावी बॉन्ड को इसीलिए सुप्रीम कोर्ट ने असंवैधानिक ठहराया था। 15 फरवरी 2024 को इसे असंवैधानिक घोषित करने के साथ ही सुप्रीम कोर्ट ने भारतीय स्टेट बैंक को दानकर्ताओं और प्राप्तकर्ताओं की पहचान और अन्य विवरण भारत के चुनाव आयोग को सौंपने का निर्देश दिया था। इन आंकड़ों को चुनाव आयोग ने अपनी वेबसाइट पर प्रकाशित भी किया। इसके बाद चुनाव फंडिंग का रूट बदल गया। अब चुनावी न्यासों के जरिए चंदे की यह रकम पार्टियों को मिल रही है। चुनाव आयोग के मुताबिक, प्रूडेंट इलेक्टोरल ट्रस्ट को मिले कुल चंदे का लगभग तीन-चौथाई हिस्सा इलेक्टोरल बांड बंद होने के बाद मिला। इस ट्रस्ट को मिला चंदा पिछले साल के मुकाबले लगभग तीन गुना बढ़कर 1075 ।7 करोड़ रुपये हो गया। साल 2023-24 में इस ट्रस्ट को सबसे ज्यादा चंदा देने वालों की लिस्ट में 100 करोड़ रुपये के साथ आर्सेलर मित्तल निप्पॉन शीर्ष पर था। उसके बाद डीएलएफ(99 ।5 करोड़), मार्था प्रॉजेक्ट्स (75 करोड़), मारुति सुजुकी और सीईएससी (60-60 करोड़) क्रमशः पहले, दूसरे और तीसरे स्थान पर थे। इस ट्रस्ट के जरिये 723 ।8 करोड़ रुपये का चंदा भारतीय जनता पार्टी को, 156 ।35 करोड़ रुपये कांग्रेस को, 85 करोड़ रुपये भारत राष्ट्र समिति और 72 ।5 करोड़ रुपये वायएसआर कांग्रेस को मिले। ट्रायम्फ इलेक्टोरल ट्रस्ट के माध्यम से चंदा देने वालों में चोलामंडलम इन्वेस्टमेंट, सीजी पावर इंडस्ट्रियल, कोरोमंडल इंटरनैशनल शामिल हैं। इसका भी 95 फीसदी हिस्सा भाजपा को गया। तो फिर बाकी पार्टियां अपने फंड्स कहां से जुटाती हैं। जानकारों का मानना है कि यह पैसा सरकारी योजनाओं के क्रियान्वयन से जुड़ी एजेंसियों से आता है। सरकारें यहां से फंड्स की साइफनिंग करती हैं। अर्थात सरकार एजेंसियों को फंड्स जारी करती है जिसका एक बड़ा हिस्सा विभिन्न प्रकार के कमीशनों के जरिए सरकार के पास लौटकर आ जाता है। पर यह पैसा दो नंबर का होता है। इसके अलावा राज्य सरकारें शराब लॉबी से भी फंडिंग हासिल करती हैं। यह पैसा भी दो नंबर का होता है। केन्द्र इस दो नंबर की फंडिंग को रोकने की कोशिश कर रहा है। छत्तीसगढ़ की पिछली सरकार के बाद दिल्ली की मौजूदा सरकार की शराब नीति इसीलिए निशाने पर है। साफहै कि राजनीतिक दलों को चंदा देने की मनाही नहीं है। पर यह चंदा एक नंबर में होना चाहिए तथा कंपनी की बैलेंस शीट पर भी दिखाई देना चाहिए और पार्टी के खातों में भी दिखना चाहिए। सिस्टम को दीमक की तरह चाट रहे भ्रष्टाचार पर प्रभावी नियंत्रण तभी संभव होगा।

संपादकीय

संपत्ति कार्ड से जमीन विवाद कम होंगे

अब तक लोगों के पास संपत्ति तो होती थी लेकिन उसका कोई सहज, सरल, आसानी से मिलने वाला कागज नहीं होता था। पीएम मोदी ने लाखों लोगों को संपत्ति कार्ड बांट कर गांवों के लोगों की बड़ी समस्या हल कर दी है। अब उनके पास उनकी संपत्ति का अपना कार्ड होगा। वह उससे आसानी से लोन ले सकेंगे और जमीन विवाद भी सभी के अपना संपत्ति कार्ड होने पर कम होंगे। कौन नहीं जानता है कि जमीन की नापजोख में गड़बड़ी के कारण किसी की जमीन किसी के नाम हो जाती है, उसे फिर से अपने नाम करवाना बड़ा मुश्किल काम होता है। इससे गांवों में जमीन विवाद बहुत होते हैं। कभी कभी जमीन विवाद में हिंसा भी होती, लोगों की जान भी जाती है। जमीन के बारे में कोई कागजात चाहिए तो वह लोगों को आसानी से नहीं मिलता था,पटवारी से लेकर राजस्व विभाग में कई चक्कर लगाने पड़ते थे,हर जगह भ्रष्टाचार होने के कारण पैसे देने पड़ते थे। कागजात में हेर फेर कर गरीबों व अनपढ़ लोगों की जमीन कई लोग अपने नाम करा लेते थे, उसको बेच देते थे।

> ***पीएम मोदी ने गांवों की इस समस्या को समझा, इसके कारण गांवों के लोगों को होने वाली परेशानी को समझा और गांवों के लोगों के संपत्ति कार्ड देने की योजना बनाई। पीएम मोदी ने कोविड महामारी के दौरान संपत्ति कार्ड योजना की घोषणा की। इसके बाद कई राज्यों में प्रयोग के तौर पर इसकी शुरुआत की गई। प्रायोगिक सफलता के बाद इसे बड़े पैमाने पर लागू करने का फैसला किया गया। ग्रामीण आबादी को उनकी जमीन के मालिकाना हक का प्रमाणपत्र देने वाली स्वामित्व योजना के तहत पीएम मोदी ने 18 जनवरी को 65 लाख संपत्ति कार्ड वितरित किए हैं। गरीबों के पास उनकी संपत्ति का प्रमाणपत्र होना जरूरी था।***

इस दिशा में पहल करने की जरूरत संयुक्त राष्ट्र संघ ने भी बताई थी। यह देश के गांवों में रहने वाले करोड़ों लोगों की जरूरत थी। अब पीएम मोदी ग्रामीणों की इस जरूरत को संपत्ति कार्ड बांटकर पूरा कर रहे हैं। संपत्ति कार्ड का वितरण 18 जनवरी में पचास हजार गांवों के लोगों को किया गया है।आंकड़ो के मुताबिक इस योजना के तहत तीन लाख गांवों में सर्वे किया जा चुका है।जो लक्ष्य का 92 प्रतिशत है।साथ ही 1.53 लाख गांवों के लगभग 2.25 करोड़ संपत्ति कार्ड तैयार किए जा चुके हैं।इस योजना का उद्देश्य लोगों को संपत्ति कार्ड तो देना ही है। इसका उद्देश्य यह भी है कि ग्रामीण इस प्रमाणपत्र के सहारे आसानी से लोन ले सकें, अपनी जमीन आसानी से बेच सकें।

संपत्ति कार्ड ग्रामीण क्षेत्रों में जमीन का आकलन करने और सरकारी योजनाओं को आगे बढाने में भी सहायक साबित हो रहे हैं। इससे ग्रामीणों को सरकारी योजनाओं का लाभ लेने में आसानी हो रही है।इस योजना मे कहीं कोई चूक न हो, कोई गड़बड़ी न हो इसके लिए अत्याधुनिक तकनीक का प्रयोग किया जा रहा है।इसकी कई स्तरों पर जांच होती है, सत्यापन किया जाता है कि जमीन की पहचान सही हुई है ताकि जमीन का स्वामित्व स्पष्ट रूप से चिन्हित किया जा सके। जब जमीन का स्वामित्व स्पष्ट हो जाता है, तय हो जाता है कि यह जमीन किसकी है तो विवाद की गुंजाइश कम हो जाती है। जमीन का बाजार मूल्य भी बढ़ जाता है। अवैध कब्जे की समस्या भी समाप्त हो जाती है।

मोदी चाहते हैं कि स्वामित्व योजना से संपत्ति का हक तो स्पष्ट हो तथा लोग इसके आधार पर लोन लेकर अपना आर्थिक विकास भी कर सकें।यह संपत्ति कार्ड गांव के लोगों के लिए एक तरह से वित्तीय सुरक्षा की गारंटी है। पीएम मोदी का मानना है कि देश के सभी गांवों में संपत्ति कार्ड बंट जाने पर यह योजना 100लाख करोड़ रुपए से अधिक की आर्थिक गतिविधियों के द्वार खोलेगी, इसे ग्रामीणों के साथ ही गांवों का विकास भी तेज होगा। पीएम मोदी के मुताबिक देश में 23 करोड़ भू-आधार नंबर जारी किए जा चुके हैं।जिससे भूखंड़ों की पहचान आसान हो गई है। पिछले सात आठ वर्षों में लगभग 98 प्रतिशत भूमि रिकार्ड डिजिटल हो गए हैं। इससे ग्रामीणों के बहुत सुविधा हो रही है।

पीएम मोदी के साथ बात करते हुए संपत्ति कार्ड योजना के लाभार्थियों ने बताया कि उनके पास पहले संपत्ति का कोई दस्तावेज नहीं था अब उनके पास अपनी संपत्ति का प्रमाणपत्र संपत्ति कार्ड है। उम्मीद की जा रही है कि ग्रामीणों को उनकी संपत्ति का कार्ड मिल जाने के बाद अब गांवों में जमीन विवाद कम होंगे। ग्रामीण को जमीन के आधार पर आसानी से बैंकों से लोन मिलेगा और वह अपना आर्थिक विकास कर सकेंगे। इससे गांवों का विकास होगा और देश विकसित देश बन सकेगा।

साधु समाज का होता वैश्वीकरण

प्रमोद भार्गव

इस बार का प्रयागराज में लगा कुंभ मेला कुछ विशिष्ट होता दिखाई दे रहा है। 144 साल बाद इस विशेष कुंभ में दो दर्जन से ज्यादा लोग पवित्र गंगा के जल में डुबकी लगा चुके हैं। सबसे ज्यादा लोग अमेरिका और ब्रिटेन से आ रहे हैं। संगम का तट पर विदेशी भाशी अमेरिकी, ब्रिटिश, जर्मन, राषियन, फ्रेंच और स्पेनिश निवासी लोग जय श्रीराम और हर हर गंगे के नारे लगाते देखे गए। अनेक विदेशी पुरुष और महिलाओं की आत्मा को संतुष्टि मिली और अनुभव अविस्मरणीय रहा। सनातन साधुओं की संस्कृति और अनूठी परंपराओं से प्रसिद्ध उद्योगपति स्टीव जॉब्स की पत्नी लॉरेन पॉवेल तो इतनी प्रभावित हुई कि इन्होंने अपना नाम परिवर्तित करके कमला रख लिया। वह निरंजनी अखाड़े के आचार्य महामंडलेष्वर कैलाषानंद गिरी के आश्रम में रहीं। इस कल्पवास में दुनिया की सबसे अमीर महिला लॉरेन ने साधुओं की संगत में सादगीपूर्ण जीवन बिताया। साधुओं की इस महिमा के आध्यात्मिक महत्व से सनातन धर्म और साधु-समाज का वैष्वीकरण हो रहा है। इसके व्यापक प्रभाव से भारतीयों के धर्मांतरण पर अंकुश लगेगा। राष्ट्र निर्माण और सांस्कृतिक वैभव की दृष्टि से साधु-समाज का यह काम राश्ट्र-बोध जगाने वाला है।

शंकराचार्य ने साधु-संन्यासियों के सार्थक उपयोग के लिए ही चारों दिशाओं में चार मठों की स्थापना की थी। इन मठों को ज्योतिर्मठ, श्रृंगेरी, गोवर्धन और शारदा मठ के नामों से जाना जाता है। ये मठ धर्म और संस्कृति के प्रचार-प्रसार के साथ सामाजिक कार्यों से भी जुड़े रहे है। इतिहास गवाह है आजादी की लड़ाई में अखाड़ों से जुड़े बाबाओं ने झांसी की रानी लक्ष्मीबाई के साथ अंग्रेजों से युद्ध भी लड़े थे। मानव शक्ति के रूप में भारत के पास विशाल साधु समाज है। जिसे अब तक आंतरिक चेतना एवं अतीन्द्रीय शक्तियों के नियंत्रण का ही मुख्य कारक एवं प्रतीक माना जाता रहा है। यदि यह शक्ति राष्ट्र निर्माण संबंधी विकास कार्यों से जुड़ी बुनियादी समस्याओं के हल में जुट जाएं तो राष्ट्र का बहुत भला हो सकता है। क्योंकि इस समाज के साथ अपार शारीरिक बल होने के साथ धार्मिक न्यासों की संपत्ती के रूप में अकूत आर्थिक बल भी है। दिवंगत जयगुरुदेव बाबा के पास 1200 करोड़ और सत्य सांई बाबा के पास से अकूत दौलत के भण्डार हुए थे। हालांकि सांई न्यास करीब 500 ग्रामों को अपनी ओर से पेयजल उपलब्ध कराता है और हजारों लोगों को शिक्षा व स्वास्थ्य की मुफ्त सेवा भी करता है। तय है, हमारे मंदिर और धार्मिक न्यासों के पास अरबों की धन-संपदा तो है ही, उनके पास सनातन के वैश्वीकरण की भी अपार क्षमताएं हैं।

भारत के हर परिर्वतनकारी युग में मठ, मंदिरों और साधुओं ने सांस्कृतिक चेतना का नवजागरण कर राष्ट्र निर्माण को नया मोड़ देते हुए उदात्त भावनाओं और मंगलकारी सिद्धान्तो का प्रतिपादन किया है। जिससे धर्म दीर्धकालीक सत्ताधारियों के राजनीतिक लाभ का हितपोषक न बना रहे। यही कारण है कि विश्वमित्र, वषिश्ट चाणक्य, महावीर, बुद्ध, जगतगुरु शंकरचार्य, गुरुनानक देव, चैतन्य महाप्रभु, स्वामी दयानंद सरस्वाती, महार्षि अरविंद, स्वामी विवेकानंद और ज्योतिबा फुले जैसे राष्ट्रप्रेमियों ने देश को आततायी विदेशी आक्रांताओं से लड़ने की शक्ति देने के साथ अज्ञान, भूख, अराजकता और आसमान समाजिक ढ़ांचे से जूझने की भी चुनौती व प्रेरणा आम जनमानस को दी। मध्ययुग के अंधकार से भारतीय जनमानस को कबीर, तुलसी, सूर, रैदास, दादू, मालूकदास और नानकदेव जैसे संत कवियों ने ही उबारकर नवयुग के निर्माण की आधारशीला रखी थी।

स्वतंत्रता पूर्व भारत में करीब 60 लाख साधु थे, वर्तमान में इनकी संख्या एक करोड़ से भी ज्यादा है। साधु समाज की इस गणना में रोगी, भिखारी, बाजीगार, सपेरे, नट, मदारी, लावारिस और अपाहिज भी शुमार हैं। इनकी संख्या 80 प्रतिशत है। पहुंचा हुआ साधु इन्हें साधु नहीं मानता। ऐसे ही साधुओं की बदौलत धर्म और नैतिकता का मूल मंत्र खंडित हो रहा है। ये साधु ग्रामीण क्षेत्रों में आसानी से पैठ बनाकर ग्रामीणों को गांजा, भांग, जैसे व्यसनों का आदी बना लेते हैं। यही साधु वेषधारी हत्या, बलात्कार, ठगी और अपहरण जैसे गंभीर मामलों के आरोपी निकालते हैं। दरअसल इन साधुओं को जब अनपेक्षित मान सम्मान मिलने लगता है तो यह बौरा जाते हैं। नतीजतन ज्यादा से ज्यादा धन बटोरने और भौतिक सुविधाएं जुटाने में लग जाते हैं। ऐसे साधुओं की जहां जनता द्वारा उपेक्षा की जाने की जरूरत है, वहीं साधु समाज इन्हें शिक्षित कर समाज के लिए हितकारी साधु भी बना सकता है। जिससे ये साधु समाज को मद्य निषेध एवं सदाचारी के संस्कार तो दें।

हालांकि साधु जीवन पर अब रमता जोगी, बहता पानी की कहावत पूरी तरह चरितार्थ नहीं हो रही है। मोक्ष के प्रचारक ये साधु भौतिकवाद के शिकार होकर वैभव व प्रदर्शन की प्रवृत्तियों के आदी भी हो रहे है। मोह माया भौतिक सुखों और कारों का काफिला इनके ईद गिर्द मंडरा रहा है। सूचना तकनीक के चलते तमाम साधुओं का भू-मण्डलीयकरण तो हुआ ही, बाजारवाद की गिरफ्त में भी ये आ गए। लिहाजा धर्म अरबों-खरबों के उद्योग में परिवर्तित हो गया। देखते-देखते बीते दो दर्शेको के भीतर इनकी घास-फूस की झोपड़ियां आलाशीन अट्टालिकाओं में तबदील हो गईं। इसी कारण साधु समाज पर सवाल उठाये जाने लगे कि मोह माया और भौतिक सुखों से ऊपर उठने का दावा करने वाले जो सिद्ध पुरुष स्वयं भोग विलास में संलग्न हो गए हैं, वे अध्यात्म का उपदेश देकर क्या समाज को भौतिकवादी बुराइयों से उबार पाएंगे ? लेकिन अब कुंभ में देखने में आ रहे है कि जो वास्तविक धर्मनिश्ठ साधु हैं, वे विश्व की महाशक्तियों को प्रभावित कर रहे हैं।

साधु का प्रमुख गुण समष्टिगत होता हैं। इसलिए वह धर्म का प्रतिनिधि है। साधु के सदाचरण, संयमी, अंसचयी और सात्विक होने का प्रभाव जितना समाज पर पड़ता है, उतना जनबल तथा धनबल का नहीं पड़ता। इसलिए इन दिव्य पुरुषों के एक इशारे पर लोग करोड़ों लुटा देते है। साधु समाज भारतीय वेद, उपनिषद और पुरण इतिहास के पुनर्लेखन एवं तार्किक व्याख्या लेखन के सिलसिले में भी उल्लेखनीय कार्य कर सकते हैं। क्योंकि हमारे प्राचीन साहित्य को धार्मिक पाखण्ड, कर्मकाण्ड और अंधविश्वास का प्रचारक मानकर खिल्ली उड़ाई जा रही है। यहां तक कि राम और कृष्ण जैसे विराट व्यक्तित्व वाले राष्ट्र नायकों तक को पुरातत्व जैसा जिम्मेदार विभाग मिथक ठहरा कर विवाद का विषय बना देता है। भारत में आर्यों के बाहर से आने की झूठी अवधारणा गढ़ दी गई। प्राचीन संस्कृत साहित्य को कपोल कल्पना करार दे दिया गया। इसे देश के तथाकथित वाम साहित्य और इतिहासकारों ने कृतज्ञ भाव से स्वीकार भी लिया। जबकि वास्तविकता है कि हमारे पौराणिक आख्यानों में प्रणय, राजनीति, दंडनीति, अर्थनीति जल और शिक्षा प्रबंधन की संरचना के सूत्र व सिद्धांत हैं। युद्धशास्त्र, विमान शास्त्र, वास्तु शास्त्र, आयुर्वेद और कामशास्त्र विषयक ये प्राचीन उपलब्धियां चमकृत करने वाली हैं। भाषा, व्याकरण और योग के क्षेत्रों में हम अनुपम हैं। जरूरत है, इनके गूढ़ सूत्रो के रहस्यों को खोलकर मानव उपयोगी बनाना ? इस संदर्भ में हम बाबा रामदेव से उत्प्रेरित हो सकते हैं। जिन्होंने पतंजलि योग-सूत्र के रहस्यों को लाइलाज बीमारियों से मुक्ति का साध्य बनाकर आधुनिक चिकित्सा विज्ञान को ही चुनौती दे डाली ?

बहरहाल साधु समाज अपने जनबल और अर्थ बल से बुनियादी समस्याओं के निदान में शिरडी के सांई बाबा न्यास की तरह जुट जाए तो उसका समाज के लिए रचनात्मक क्रियान्वयन से जो वातावरण निर्माण होगा तो जो युवा-शक्ति ईमानदारी से काम करने की इच्छा रखती है, उसका राष्ट्र को अद्वितीय व अपेक्षित योगदान मिलने लग जाएगा ? लाल फीताशाही के चलते जो प्रतिभाएं तालमेल न बिठा पाने के कारण पलायन कर दुसरे देशों में अपनी मेधा का परचम फहरा रही हैं, उनकी पलायनवादी प्रवृत्ति पर अंकुश लगेगा। युवा और साधु समाज की संयुक्त ताकत पानी, विद्युत, शिक्षा, स्वास्थ, सड़क निर्माण जैसे क्षेत्रों की दशा और दिशा बदल सकती है। मतांतरण और लव-जिहाद के प्रति भी साधु-समाज हिंदुओं को जागृत करने का काम कर सकता है। वहीं साधुओं की विशाल संख्या के रूप में जो इस समाज के पास मनुज शक्ति है, वह जहां है वहीं रहकर नदी और तालाबों का कायाकल्प कर जल-स्रोतों के अक्षय भण्डारों का पुनरुद्धार कर सकते हैं। यदि यह शक्ति राष्ट्र निर्माण में जुट जाती है तो इनसे प्रभावित आम जनमानस भी स्वप्रेरणा से इनका अनुयायी हो जाऐगा। क्योंकि वह साधु समाज ही है, जिससे कल्पना की जा सकती है कि वह भ्रष्टाचार और पक्षपात की दुर्भावना से मुक्त रहेगा।

(ये लेखक के विचार हैं)

उम्मीद से अधिक हुई फसल सुनहरे कल की उम्मीदों पर पानी फेर देती है

पंकज चतुर्वेदी

झारखंड के लातेहार जिले में बालूमाथ और बारियातू के इलाके दो किस्म के टमाटर की खेती के लिए मशहूर हैं-एक है मोटे छिलके वाला गुलशन जिसका इस्तेमाल सब्जी विशेष तौर पर सलाद के रूप में किया जाता है। वहीं सलेक्शन नामक किस्म के टमाटर के छिलके की परत नरम होती है।

इसका इस्तेमाल सब्जी, चटनी और टोमैटो कैचअप के लिए किया जाता है। कुछ साल पहले तक टमाटर की लाली यहां के किसानों के गालों पर भी लाली लाती थी, लेकिन इस साल हालत यह है कि फसल तो बंपर हुई लेकिन लागत तो दूर, तोड़ कर मंडी तक ले जाने की कीमत तक नहीं निकल रही। रामगढ़, हजारीबाग, लोहरदग्गा में जिन किसानों ने टमाटर उगाए या फिर पत्ता या फूल गोभी या फिर पालक, वे ट्रैक्टर से रौंद कर अपनी खड़ी फसल खुद ही चौपट कर रहे हैं।

गोभी के दाम हैं दो से चार रु पये तो टमाटर के हैं दो रु पये। इतने में तुड़ाई भी निकलती है, फिर मंडी तक कौन ले जाए। उत्तर प्रदेश के सोनभद्र जिले के हरवाई गांव में सुर्ख लाल टमाटर की फसल पर रोटवेलर चला कर गेहूं बोए जा रहे हैं। यहां किसानों ने 15 हजार रु पये बीघा पर खेत किराये पर लिए, फिर टमाटर बोए। पिछले महीने तो 400 रुपये क्रेट (25 किलो) एक बार बिका। फिर दाम 60 से 100 रु पये क्रेट गिर गए। अब 30 रु पये क्रेट तुड़ाई, 15 रु पये मंडी के पल्लेदार को, फिर परिवहन। आखिर, किसान कितना घाटा सहे! मध्य प्रदेश के बड़वानी में टमाटर मवेशी खा रहे हैं। दिल्ली और उसके आसपास भले ही बाजार में टमाटर के दाम 40 रुपये किलो हों लेकिन टमाटर उगाने के लिए मशहूर देश के विभिन्न जिलों में टमाटर कूड़े में पड़ा है। छत्तीसगढ़ के टमाटर किसान तो जलवायु परिवर्तन की अजब मार झेल रहे हैं, और उन्हें फसल खेत में नष्ट करनी पड़ रही है।

दुर्ग जिले में पहले तो चक्रवाती तूफान के चलते कोई 15 दिन बदली हुई, फिर अचानक जाड़ा बढ़ गया। इससे टमाटर तेजी से पकने लगे। जब पके टमाटर की आवक ज्यादा हुई तो दाम गिर गए। यहां प्राय: इतनी ठंड पड़ती नहीं। अब टमाटर समय से पहले पक रहे हैं, न तोड़ो तो गिर जाते हैं। मजबूर किसान फसल नष्ट कर रहा है। करीबी राज्य तेलंगाना और आंध्र प्रदेश के हालात भी अलग नहीं हैं। यहां मेडक के शिवमपेट में टमाटर की तैयार फसल को आग लगाने की सैकड़ों घटनाएं हो चुकी हैं। विदित हो टमाटर 15-27 डिग्री के बीच के तापमान में सबसे अच्छे से उगते हैं तथा इसके लिए माकूल औसत मासिक तापमान 21-23 होता है। 32 डिग्री से अधिक तापमान फल लगने और उसके विकास पर नकारात्मक प्रभाव डाल सकता है। दक्षिणी राज्यों में जलवायु परिवर्तन से प्रभावित टमाटर की खेती में सफेद फंगस और पत्ती में छेद करने वाले कीट की दिक्कत ने पहले से ही कीटनाशक का खर्च बढ़ाया था। फसल अच्छी हो गई तो बाजार में दाम नहीं मिलने से किसान कर्ज में दब गया। हालांकि न तो यह पहली बार हो रहा है, और न ही टमाटर के साथ हो रहा है।

उम्मीद से अधिक हुई फसल सुनहरे कल की उम्मीदों पर पानी फेर देती है-घर की नई छप्पर, बहन की शादी, माता-पिता की तीर्थ-यात्रा; न जाने ऐसे कितने ही सपने वे किसान सड़क पर कैश क्रॉप' कहलाने वाली फसल के साथ फेंक आते हैं। साथ होती है तो केवल एक चिंता-खेती के लिए बीज, खाद के लिए लिए गए कर्ज को कैसे उतारा जाए? पूरे देश की खेती-किसानी अनियोजित, शोषण की शिकार और किसान विरोधी है। तभी हर साल देश के कई हिस्सों में अफरात फसल को सड़क पर फेंकने और कुछ ही महीनों बाद उसी फसल के लिए त्राहि-त्राहि की घटनाएं होती रहती हैं। किसान मेहनत कर सकता है, अच्छी फसल दे सकता है, लेकिन सरकार में बैठे लोगों को भी उसके परिश्रम के माकूल दाम, अधिक माल के सुरक्षित भंडारण के बारे में सोचना चाहिए। हर दूसरे-तीसरे साल कर्नाटक में कई जिलों के किसान अपने तीखे स्वाद के लिए मशहूर हरी मिर्च को सड़क पर लावारिस फेंक कर अपनी हताशा का प्रदर्शन करते हैं। देश के अलग-अलग हिस्सों में कभी टमाटर तो कभी अंगूर, कभी मूंगफली तो कभी गोभी किसानों को ऐसे ही हताश करती है। दिल्ली से सटे पश्चिमी उत्तर प्रदेश के कई जिलों में आए साल आलू की टनों फसल बगैर उखाड़े मवेशियों को चराने की घटनाएं सुनाई देती हैं।

आश्चर्य इस बात का होता है कि जब हताश किसान अपने ही हाथों अपनी मेहनत को चौपट कर रहा होता है, तो गाजियाबाद, नोएडा, या दिल्ली में आलू के दाम पहले की ही तरह तने दिखते हैं। राजस्थान के सिरोही जिले में जब टमाटर मारा-मारा घूमता है तभी वहां से कुछ किमी. दूर गुजरात में लाल टमाटर के दाम ग्राहकों को लाल किए रहते हैं। सरकारी और निजी कंपनियां सपने दिखा कर ज्यादा फसल देने वाले बीजों को बेचती हैं, जब फसल बेहतरीन होती है तो दाम इतने कम मिलते हैं कि लागत भी न निकले। दुर्भाग्य है कि कृषि प्रधान अर्थव्यवस्था वाले देश में कृषि उत्पाद के न्यूनतम मूल्य, उत्पाद खरीदी, बिचौलियों की भूमिका, किसान को भंडारण का हक, फसल-प्रबंधन जैसे मुद्दे गौण दिखते हैं, और यह हमारे लोकतंत्र की आम आदमी के प्रति संवेदनहीनता का प्रमाण है। सब्जी, फल और दूसरी कैश-क्रॉप को बगैर सोचे-समझे प्रोत्साहित करने के दुष्परिणाम दाल, तेल-बीजों (तिलहनों) और अन्य खाद्य पदाथरे के उत्पादन में संकट की सीमा तक कमी के रूप में सामने आ रहे हैं।

किसानों के सपनों की फसल को बचाने के दो तरीके हैं। एक, जिला स्तर पर अधिक से अधिक कोल्ड स्टोरेज हों और दूसरा, स्थानीय उत्पाद के अनुसार खाद्य प्रसंस्करण खोले जाएं। देश में इस समय अंदाजन आठ हजार कोल्ड स्टोरेज हैं, जिनमें सबसे ज्यादा उत्तर प्रदेश में 1817, गुजरात में 827, पंजाब में 430 हैं, लेकिन इनमें से अधिकांश पर आलू और प्याज का कब्जा होता है। जरूरी है कि खेतों में कौन सी फसल और कितनी उगाई जाए, उसकी स्थानीय मांग कितनी है, और कितने का परिवहन संभव है -इस बाबत नीतियां तालुका या जनपद स्तर पर ही बनें तो पैदा फसल के एक-एक कतरे के श्रम का सही मूल्यांकन हो सकेगा। एक बात और, कोल्ड स्टोरेज या वेअरहाउस पर किसान का नियंत्रण हो, न कि व्यापारी का कब्जा।

(ये लेखक के विचार हैं)

भारत का मध्यम वर्ग राजनीतिक उलझन में फंसा हुआ

युवा केविन भारत के गौरवशाली और मेहनती मध्यम वर्ग का सदस्य है- शिक्षित, नौकरीपेशा और महत्वाकांक्षी। इस सप्ताह एक सम्मेलन में, उन्होंने पूछा, क्या आयकर में कटौती होगी? मैंने उनसे पूछा कि वे न्यूनतम आधार क्या चाहते हैं। जवाब ने कमरे में गोली की तरह उछाल दिया: 18 प्रतिशत। मैंने पूछा कि सटीक प्रतिशत के पीछे क्या तर्क है, और उन्होंने जवाब दिया, ठीक है, वे मुझसे जो कुछ भी उपभोग करते हैं उस पर 18 प्रतिशत जीएसटी लगा रहे हैं। यह बातचीत भारत में मध्यम वर्ग के घरों में रहने की बढ़ती लागत पर परिचित कुंठाओं को दर्शाती है। कठिनाई का संदर्भ और उपेक्षा की धारणा राजनीतिक दलों द्वारा फैलाए गए लोकलुभावनवाद की परेड से बढ़ जाती है। शुक्रवार को, भाजपा ने दिल्ली विधानसभा चुनावों से पहले अपना घोषणापत्र जारी किया। वादों में ऐसे देश में 5 रुपये में भोजन शामिल है जहां 813 करोड़ लोग प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना के तहत मुफ्त राशन प्राप्त करते हैं। अन्य वादों में गरीब परिवारों की महिलाओं को 2,500 रुपये और गरीबों को 500 रुपये में दो बार मुफ्त गैस सिलेंडर देना शामिल है। चुनावी गणित में मध्यम वर्ग के करदाता अनुपस्थित हैं।

एथेनियन लोकतंत्र के संस्थापक एथेंस के क्लीस्थेनेस - लोगों की, लोगों द्वारा और लोगों के लिए सरकार का विचार, और अधिकारों का एक कबीले के बजाय एक स्थान की नागरिकता के साथ निहित होना। आज उनका खाका लगभग उलट गया है। शासन को अक्सर जातियों, पंथों और वर्गों की चुनावी ताकत के आधार पर देखा जाता है। निश्चित रूप से, यह लोगों की सरकार है। लेकिन यह धारणा बढ़ रही है कि राजनीति शासन को कुछ लोगों के लिए उपहार के रूप में पुनर्परिभाषित कर रही है।

यह साल का वह समय है जब करदाता मध्यम वर्ग को उम्मीद है कि वादा किया गया सवेरा आएगा। सोशल मीडिया पर सबसे अधिक वायरल मीम्स जीएसटी, पार्टियों द्वारा घोषित मुफ्त उपहार, बुनियादी सेवाओं की डिलीवरी में शिथिलता, कर दरों और शहरी भारत की स्थिति के बारे में हैं। यह साल भी अलग नहीं है, क्योंकि अटकलों के इर्द-गिर्द उम्मीदें बन रही हैं। उम्मीदें राजनीति और अर्थशास्त्र के संगम पर हैं। खाद्य मूल्य मुद्रास्फीति की निरंतरता - एक साल से अधिक समय से लगभग 8 प्रतिशत पर मँडरा रही है - ने मध्यम वर्ग के परिवारों की क्रय शक्ति को कम कर दिया है। खपत में गिरावट ने संरचनात्मक अपर्याप्तताओं की वास्तविकता को उजागर किया है जो मांग, खपत, निवेश, रोजगार और विकास के पुण्य चक्र को सता रही है और रोक रही है। मंदी, जो मध्य वर्ष तक दिखाई दे रही थी और जिसका संकेत अक्टूबर में इस कॉलम ने दिया था, डेटा द्वारा मान्य की गई है। दूसरी तिमाही में वास्तविक जीडीपी वृद्धि में 5.4 प्रतिशत की भारी गिरावट, वर्ष के लिए जीडीपी वृद्धि के पहले अग्रिम अनुमानों में 6.4 प्रतिशत की प्रतिध्वनि के साथ, खपत और सार्वजनिक और निजी निवेश दोनों में गिरावट को दर्शाती है।लक्ष्य से कम संख्या के लिए राजनीतिक बहाना यह है कि अर्थव्यवस्था चुनावों से बाधित थी। यह आंशिक रूप से सच है, लेकिन राज्य सरकारों द्वारा रियायतों पर खर्च बढ़ाने और पूंजीगत व्यय वृद्धि को धीमा करने की कठोर वास्तविकता भी है। वास्तव में, बहुचर्चित जीएसटी संग्रह नाममात्र जीडीपी वृद्धि की 9.7 प्रतिशत दर से धीमी गति से बढ़ रहा है।

मंदी को संबोधित करने का नुस्खा, फिर से, आर्थिक और राजनीतिक तर्कों के चौराहे पर है। शास्त्रीय आर्थिक सिद्धांत सुझाव देता है कि सरकार को मांग को प्रोत्साहित करने के लिए अपने पर्स-स्ट्रिंग को ढीला करना चाहिए। सरकार के सामने सवाल यह है कि क्या अल्फाबेट-सूप योजनाओं (ईएलआई, पीएलआई एट अल) और बुनियादी ढांचे पर खर्च को बढ़ाया जाए, या मध्यम वर्ग की जेब में अधिक पैसा डालने के लिए आयकर दर में कटौती की जाए। नीति के लिए संदर्भ महत्वपूर्ण है। आर्थिक विकास में अनिश्चित वैश्विक व्यापार, डॉलर का बहिर्वाह, रुपये का नए निचले स्तर पर गिरना और कच्चे तेल की बढ़ती कीमतें सहित अतिरिक्त चुनौतियाँ हैं। विकास के लिए जो भी महत्वपूर्ण है वह घाटे का स्तर है जो उधार लेने की लागत और ऋण-से-जीडीपी अनुपात को परिभाषित करता है।भारत की संप्रभु रेटिंग में सुधार की आकांक्षा रखते हुए, सरकार जीडीपी के लगभग 4.5 प्रतिशत के राजकोषीय घाटे को लक्षित कर रही है। बहुत कुछ व्यय की गुंजाइश पर निर्भर करता है। प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद के सदस्यों का अनुमान है कि यदि सभी चीजें - विकास, व्यय और राजस्व - स्थिर रहती हैं, तो सरकार के पास आर्थिक पुनरुद्धार के लिए लगभग 1 लाख करोड़ रुपये होंगे। व्हाट्सएप ब्रह्मांड में गूंज रहा गुस्सा दैनिक उपभोग पर कम आयकर और जीएसटी दरों की उम्मीदों को दर्शाता है। राज्य सरकारें सब्सिडी पर 4.7 लाख करोड़ रुपये से अधिक खर्च कर रही हैं - जिसमें महिलाओं को नकद हस्तांतरण पर 2+ लाख करोड़ रुपये शामिल हैं।

श्रीकंचनपथ

भिलाई-दुर्ग

ITR फाइल 500/-

Whatsapp पर बनवाएँ

Income Tax फाइल, GST रजिस्ट्रेशन, TDS रिफंड, प्रोजेक्ट रिपोर्ट
CMA DATA, MSME, BALANCE SHEET, फूड लाइसेंस

हमारे Tax Expert आपकी मदद हेतु तैयार है।

www.onlytds.com
सम्पर्क - शेखर गुप्ता 9300755544 - 8878655544

खास खबर

लेखिका डॉ नलिनी के निबंध संग्रह 'सांस्कृतिक संचेतना' का विमोचन

भिलाई। हिंदी की सुविख्यात कथाकार एवं लेखिका डॉ नलिनी श्रीवास्तव के निबंध संग्रह 'सांस्कृतिक संचेतना' का शनिवार 18 जनवरी को भिलाई निवास के सभागार में ख्यातिलब्ध साहित्यकारों की मौजूदगी में विमोचन किया गया। इस अवसर पर विमोचित कृति पर साहित्यिक विमर्श भी हुआ। वहीं समाज सेवा, साहित्य, संस्कृति और शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य के लिए वैभव प्रकाशन और छत्तीसगढ़ राष्ट्रभाषा प्रचार समिति, रायपुर ने उन्हें साहित्य वैभव सम्मान से अलंकृत भी किया। इससे पहले अतिथियों ने देवी सरस्वती के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर विमोचन समारोह की विधिवत शुरुआत की। समारोह का संचालन करते हुए डॉ सुधीर शर्मा ने कहा कि पूरे हिंदुस्तान में सांस्कृतिक निबंध की ललित परंपरा की शुरुआत अगर किन्हीं साहित्यकार ने की है, तो वे डॉ नलिनी श्रीवास्तव हैं। साहित्य वाचस्पति पदुमलाल पुन्नालाल बख्शी की विरासत, परंपरा और संस्कृति को उनके परिवारजन लगातार आगे बढ़ा रहे हैं और उनमें डॉ नलिनी का नाम सर्वोपरि है। निबंध संग्रह की लेखिका एवं बख्शी जी की पौत्री नलिनी ने तीन महीने के अंदर प्रकाशन पूर्ण होने का श्रेय वैभव प्रकाशन को दिया है। उन्होंने कहा कि वैसे तो मैं बहुत पहले से निबंध लिखती थी। दादाजी के कारण घर का वातावरण साहित्यिक था। उनसे मिलने के लिए साहित्यकार आते थे। उनकी किताबें देखती और पढ़ती थी। लेकिन, लिखने का जोश दादाजी की मृत्यु के बाद आया। उनकी लिखी एक लाइन का खास तौर पर जिक्र करते हुए कहा कि मुझे (दादाजी) विश्वास है कि नलिनी साहित्य में काम कर सकेगी। मैं उस लाइन को बार-बार पढ़ती। आखिरकार मुझे एहसास हुआ कि मैं भी लिख सकती हूं।

संविधान सिर्फ एक लीगल डॉक्यूमेंट नहीं बल्कि सामाजिक क्रांति का दस्तावेजः प्रो. माने

भिलाई। दो दिवसीय करियर गाइडेंस, उद्यमिता विकास और संविधान जानो कार्यशाला का समापन रविवार को डॉ अंबेडकर भवन (पुराना बीएसपी स्कूल), रेलवे अंडरब्रिज के सामने, सेक्टर 6 भिलाई नगर में हुआ। डॉ अंबेडकर एक्जीक्यूटिव फ्रेटरनिटी भिलाई, सोशल जस्टिस एंड लीगल फाउंडेशन छत्तीसगढ़ ,एनस्टेप छत्तीसगढ़ और मूलनिवासी कला साहित्य और फिल्म फेस्टिवल भिलाई के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित हुए इस कार्यक्रम में उच्चतर स्कूली कक्षाओं के विद्यार्थी सहित नौजवान बड़ी संख्या में भागीदारी दी। इस दौरान संविधान बनने की प्रक्रिया, संविधान सभा की बहसों और मूल बातों से लोग अवगत हुए। इस कार्यशाला का प्रारंभ उद्यमिता विकास पर मार्गदर्शन से हुआ। दूसरे दिन समापन सत्र में संविधान को जानों कार्यक्रम के अंतर्गत विषय विशेषज्ञ के तौर पर मुंबई से प्रो. सुरेश माने उपस्थित थे। अपने उद्बोधन में उन्होंने कहा कि 21 वीं सदी में दुनिया जब विज्ञान और विकास की राह पर चलती है तो सर्वाधिक आबादी वाले हमारे भारत देश में नागरिकों को अपने दायित्व बोध के प्रति एक तरह से प्रशिक्षित करना जरूरी है। सूत्र में बांध कर रखना और भाईचारे के आधार पर समाज की पुनर्रचना करना हमारे भारतीय संविधान का मूल मकसद है।

व्यापार महोत्सव 2025: अंतिम दिन उमड़ा लोगों का हुजूम खरीदारी के साथ ली विभिन्न विषयों की जानकारी

महामंत्री अजय भसीन व भिलाई चेंबर अध्यक्ष गारगी शंकर मिश्र ने व्यापार महोत्सव की सफलता पर जताया आभार

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। भिलाई चेम्बर द्वारा आयोजित व्यापार महोत्सव 2025 के अंतिम दिन सिविक सेंटर में हजारों की भीड़ जुटी। इस दौरान भिलाईवासियों ने न केवल व्यापार महोत्सव में लगे स्टॉल्स में खरीददारी की बल्कि बड़ी संख्या में पहुंचे उद्यमियों ने भी विभिन्न विषयों पर अपनी जानकारियां साझा की। इस महोत्सव ने व्यापारियों, निवेशकों और दर्शकों को एक ऐसा मंच प्रदान किया, जिसने न केवल व्यापारिक संभावनाओं को बढ़ावा दिया, बल्कि नवाचार और तकनीकी विकास पर भी जोर दिया। अंतिम दिन का आयोजन विशेष रूप से ऑनलाइन बिक्री और डिजिटल युग के व्यापारिक कौशल पर केंद्रित था। इस व्यापार महोत्सव की सफलता पर छत्तीसगढ़ चेंबर के महामंत्री अजय भसीन व भिलाई चेंबर के अध्यक्ष गारगी शंकर मिश्र ने समस्त व्यापारियों व आगंतुकों का आभार जताया है।

सभी को अपनी क्षमताओं का प्रदर्शन करने का मौका मिला : अजय भासीन

छत्तीसगढ़ चेंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के प्रदेश महामंत्री अजय भसीन ने इस महोत्सव के आयोजन पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि व्यापार महोत्सव 2025 ने व्यापारी साथियों को एकजुट करने का कार्य किया और सभी को अपनी क्षमताओं का प्रदर्शन करने का मौका दिया। उन्होंने व्यापारियों को प्रेरित करते हुए कहा कि यह आयोजन केवल एक व्यापारिक कार्यक्रम नहीं था, बल्कि यह छत्तीसगढ़ को एक व्यापारिक केंद्र के रूप में स्थापित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम था। उन्होंने यह भी कहा कि महोत्सव के माध्यम से छोटे व्यापारियों और स्टार्टअप्स को बड़े बाजार तक पहुँचने का मौका मिला। यह महोत्सव छत्तीसगढ़ की व्यापारिक संस्कृति और विकास की क्षमता का प्रतीक है।

व्यापारी व ग्राहकों के बीच संवाद का आदर्श मंच : गारगी शंकर मिश्र

भिलाई चेंबर के अध्यक्ष गारगी शंकर मिश्रा ने इस आयोजन की सफलता पर प्रसन्नता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि यह महोत्सव न केवल व्यापार को प्रोत्साहित करने के लिए, बल्कि व्यापारियों और ग्राहकों के बीच विश्वास और संवाद को बढ़ाने के लिए एक आदर्श मंच साबित हुआ है। उन्होंने चेंबर के सदस्यों, व्यापारियों और आगंतुकों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उनकी सक्रिय भागीदारी ने इस आयोजन को अभूतपूर्व सफलता दिलाई। श्री मिश्रा ने छत्तीसगढ़ में व्यापारिक संभावनाओं पर भी प्रकाश डाला और बताया कि राज्य में व्यापारिक समुदाय के लिए अनुकूल वातावरण और नीतियाँ मौजूद हैं। उन्होंने कहा कि व्यापार महोत्सव 2025 का यह आयोजन एक मील का पत्थर साबित होगा।

अंतिम दिवस के मुख्य वक्ता लक्षित सेठिया, सोशल सेलर अकादमी के संस्थापक ने ऑनलाइन बिक्री के टिप्स पर टिप्स दिये। उन्होंने व्यापारियों और उद्यमियों को डिजिटल प्लेटफॉर्म का उपयोग करके अपने उत्पादों और सेवाओं को ग्राहकों तक पहुंचाने की नई रणनीतियों से अवगत कराया। लक्षित सेठिया ने कहा कि आज का युग डिजिटल है, और यदि आप अपने व्यापार को ऑनलाइन नहीं ला रहे हैं, तो आप एक बड़े अवसर से चूक रहे हैं। उन्होंने व्यापारियों को ऑनलाइन बिक्री के विभिन्न टूल्स और प्लेटफॉर्म्स जैसे सोशल मीडिया, ई-कॉमर्स वेबसाइट्स और डिजिटल मार्केटिंग के महत्व को समझाया। उन्होंने यह भी बताया कि ग्राहक की प्राथमिकताओं को समझकर और उनकी समस्याओं का समाधान देकर, ऑनलाइन बिक्री को कैसे बढ़ावा दिया जा सकता है। उपस्थित व्यापारियों को डिजिटल युग में अपनी संभावनाओं का विस्तार करने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने उदाहरणों के माध्यम से यह समझाया कि कैसे छोटे और मध्यम व्यापार डिजिटल मार्केटिंग के माध्यम से बड़े बाजार तक पहुंच सकते हैं। अंतिम दिन के विशेष वक्ता यशवंत साहू ने डिजिटल ग्रोथ पर अपनी बात रखी। महोत्सव की अंतिम शाम दर्शकों के लिए सांस्कृतिक कार्यक्रमों और स्वादिष्ट खानपान का संगम लेकर आई। स्थानीय और अंतर्राष्ट्रीय व्यंजनों के स्टॉल्स ने आगंतुकों को आकर्षित किया, वहीं लोक कलाकारों द्वारा प्रस्तुत नृत्य और संगीत ने इस आयोजन को एक सांस्कृतिक उत्सव का रूप दिया।

व्यापारिक समुदाय के समर्पण और प्रयास का प्रमाण

कार्यक्रम संयोजक भोला नाथ सेठ ने महोत्सव की योजना और कार्यान्वयन पर प्रकाश डालते हुए इसे टीम वर्क की सराहना की। उन्होंने कहा कि व्यापार महोत्सव 2025 का हर पहलू व्यापारिक समुदाय के समर्पण और प्रयास का प्रमाण है। उन्होंने आयोजन के दौरान मिले सहयोग के लिए चेंबर की टीम और व्यापारी साथियों को धन्यवाद दिया। भिलाई चेंबर ने महोत्सव के दौरान विभिन्न व्यापारिक और सामाजिक क्षेत्रों में उत्कृष्ट योगदान देने वालों को सम्मानित किया। आयोजन में उन व्यापारियों, उद्यमियों और टीम के सदस्यों की सराहना की गई, जिन्होंने इस महोत्सव को सफल बनाने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। सम्मानित किए गए लोगों को चेंबर द्वारा विशेष प्रशस्ति पत्र और स्मृति चिन्ह प्रदान किए गए।

बीएसएफ का आदिवासी युवा आदान-प्रदान कार्यक्रम कांकेर से कोच्चि और कोलकाता के लिए रवाना हुए दो दल

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। 16वां आदिवासी युवा आदान-प्रदान कार्यक्रम के तहत 18 जनवरी 2025 को कांकेर के अति दुर्गम एवम् नक्सल प्रभावित क्षेत्रों से आदिवासी युवा लड़के एवं लड़कियों का पांचवां और छठा जत्था कोच्चि और कोलकाता के लिए रवाना हुए। प्रत्येक जत्थे में कांकेर के अति दुर्गम एवम् नक्सल प्रभावित क्षेत्रों से 20 आदिवासी युवा लड़के एवं 20 लड़कियां शामिल है। प्रत्येक जत्थे के साथ सीमा सुरक्षा बल के 02 पुरुष सुरक्षा अधिकारी और 02 महिला सुरक्षा अधिकारी भी रवाना हुए। दोनों दल जत्थे कोच्चि और कोलकाता में भारत के विभिन्न राज्यों के अन्य आदिवासी युवाओं से मिलकर अन्य राज्यों की संस्कृति से रूबरू होंगे।

इस कार्यक्रम के अंतर्गत आदिवासी युवक एवं युवतियों को उनके उज्ज्वल भविष्य तथा अधिकार के बारे में उचित व उपयुक्त जानकारी प्रदान की जायेगी, साथ ही साथ अन्य राज्यों से भाग लेने वाले युवक-युवतियों के बीच मेल-मिलाप बढ़ेगा, जिससे वे एक-दूसरे के खान-पान, रहन-सहन, सांस्कृतिक गतिविधियाँ एवं वेशभूषा से रूबरू होंगे। इस कार्यक्रम में सभी राज्यों के स्थानीय लोक कार्यक्रम की प्रस्तुति दी जायेगी। साथ ही कोच्चि और कोलकाता के प्रसिद्ध, दर्शनीय एवं सांस्कृतिक महत्व के स्थलों का भ्रमण कराया जाएगा।

MY भारत (नेहरू युवा केन्द्र संगठन), नई दिल्ली, युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार एवं गृह मंत्रालय के संयुक्त तत्वाधान में 16वाँ आदिवासी युवा आदान-प्रदान कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। प्रत्येक आदिवासी युवा आदान-प्रदान कार्यक्रम की अवधि 07 दिन है। छत्तीसगढ के कांकेर और नारायणपुर जिले में तैनात सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के नक्सल प्रभावित इलाके से इस वर्ष कुल 13 भ्रमण कार्यक्रमों के अतंर्गत 18 से 22 वर्ष आयु वर्ग के 500 चयनित युवा भाग ले रहे है।

इस आदिवासी युवा आदान-प्रदान कार्यक्रम की प्रमुख गतिविधियों में संवैधानिक अधिकारियों और प्रतिष्ठित व्यक्तियों के साथ संवाद सत्र, पैनल चर्चा, व्याख्यान सत्र, भाषण प्रतियोगिता, कैरियर संबंधी मार्गदर्शन, चल रहे खेल आयोजनों के बारे में जानना शामिल है। इसके अलावा प्रतिभागी कोच्चि और कोलकाता के उद्योगो एवं सुरक्षा बलों के कैम्पो का भ्रमण करेंगे। इस कार्यक्रम के पांचवे और छठे जत्थे को कोच्चि और कोलकाता रवाना करते हुए महानिरीक्षक, सीमा सुरक्षा बल सीमांत मुख्यालय (विशेष संक्रिया) भिलाई आनंद प्रताप सिंह ने बधाई व शुभकामनाएं दी।

मेंटेनेंस के लिए टाउनशिप में विद्युत आपूर्ति बाधित रहेगी

भिलाई। बीएसी के नगर सेवाएँ विभाग के अन्तर्गत टाउन इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग विभाग द्वारा वार्षिक रखरखाव योजना 2024-2025 के तहत टाउनषिप में विद्युतीय मेंटेनेंस एवं अनुरक्षण कार्य संपादित किये जा रहे हैं। ब्रेकडाउन को कम करने और सिस्टम की दक्षता बढ़ाने के लिए विद्युत सिस्टम के यथोचित रखरखाव पर विशेष जोर दिया जा रहा है। नवम्बर 2024 से मार्च 2025 के दौरान एचटी सिस्टम के निवारक रखरखाव के लिए टाउनषिप के विभिन्न स्थानों में योजनाबद्ध शटडाउन किया जाएगा। इस वार्षिक रखरखाव योजना के अंतर्गत सबस्टेशन, टैपिंग, डीपी और मेंटेनेंस, ओवरहालिंग, ओवर हेड लाइनों का मेंटेनेंस, जम्पर कसना, क्षतिग्रस्त पिन को बदलना, ट्रांसफार्मर का मेंटेनेंस आदि कार्य किये जायेंगे।

रेलवे जोन महाप्रबंधक ने किया भिलाई स्टेशन का निरीक्षण रेल संगठनों ने की एक्सप्रेस ट्रेनों के स्टॉपेज की मांग

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। बिलासपुर रेलवे जोन के महाप्रबंधक तरुण प्रकाश ने रविवार को भिलाई स्टेशन का निरीक्षण किया। इस दौरान कुछ चुनिंदा एक्सप्रेस ट्रेनों के स्टापेज की स्थानीय मांग पर जोन महाप्रबंधक का जवाब टालमटोल भरा रहा। संगठन के लोगों ने जीएम से मिलकर कुछ एक्सप्रेस ट्रेनों के स्टापेज की मांग की तो उन्होंने कारण बताते हुए टाल दिया।

बिलासपुर रेलवे जोन के महाप्रबंधक तरुण प्रकाश रविवार को सुबह 11:15 बजे विशेष सेलून से भिलाई-3 स्टेशन पहुंचे। स्टेशन के प्लेटफार्म नंबर 3 से वे प्लेटफार्म नंबर 1 पर आकर उन्होंने अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत हुए विकास

कार्यों का अवलोकन किया। मौके पर मौजूद अधिकारियों ने महाप्रबंधक को सबसे पहले स्टेशन के विकास का नक्शा दिखाया। फिर उन्होंने महिला व सामान्य यात्री प्रतीक्षालय, टिकट काउंटर, पेयजल व प्रसाधन सुविधा सहित स्टेशन के बाहर पार्किंग स्थल का निरीक्षण किया। इस दौरान प्रतीक्षालय में रखी गई टूटी हुई कुर्सी को देख उन्होंने नाराजगी जताई।

संगठन प्रतिनिधियों ने सौंपा ज्ञापन

इस अवसर पर प्रगतिशील रेल कल्याण एवं विकास समिति के अध्यक्ष अब्दुल सत्तार ने दुर्ग से शुरू होने वाली कुछ प्रमुख एक्सप्रेस ट्रेनों को भिलाई-3 में स्टापेज देने की मांग की। अधिवक्ता संघ पुरानी भिलाई के अध्यक्ष रमेश सिंह ने महाप्रबंधक को बताया कि यहां व्यवहार न्यायालय है। निकट भविष्य में एडीजे कोर्ट व कुटुम्ब न्यायालय खुलने वाली है। इसके चलते बाहर से आने वाले पक्षकारों की सुविधा के लिए कुछ चुनिंदा एक्सप्रेस ट्रेनों का स्टापेज दिया जाना चाहिए। उन्होंने स्टेशन आने जाने वालों की सुविधा के लिहाज से फोरलेन सड़क पर चौक निर्माण के लिए पहल करने का आग्रह महाप्रबंधक से किया। वहीं स्टेशन नवनिर्माण के बाद 1888 से हुए प्रगति को प्रदर्शित करने टिकट काउंटर के पास लगाए गए बोर्ड में जंक्शन का उल्लेख नहीं किए जाने की ओर रेलवे जोन महाप्रबंधक का ध्यानाकर्षण कराया गया। पार्षद रंजीता बेनुआ ने निकट भविष्य में मौजूदा फुट ओवरब्रिज से हो रही आवाजाही पर रोक लगने की चल रही चर्चा के आधार पर पुरैना के लोगों की सुरक्षित आवाजाही के लिए गांधी नगर ओएचई ऑफिस के पास से एक छोटा अण्डरब्रिज बनाने की मांग रखी।

Since 1972
CROWN® - TV
Choice Of Millions
LED Available 16 -20 -22 - 24 - 32-40-50-55-65

Maa Durga Electronics
9827183839
Rohit Electronics
94242-02866
Premier sales: 8959493000
A Leela Electronics: 9425507772
Reena Electronics: 9329132299
Shree Electronics: 7000827361
Authorised Distributers For Chhattisgarh
Trade Enquiry: 98262-52372

खास खबर...

अबेकस व मानसिक अंक गणित स्पर्धा में रायपुर की नौनिहाल बनी प्रथम रनर अप

रायपुर। दिल्ली में वैश्विक स्तर पर आयोजित अबेकस व मानसिक अंकगणित प्रतियोगिता में राजकुमार कॉलेज में अध्ययनरत पांचवीं की छात्रा अनुष्का अग्रवाल प्रथम रनर अप बनी। निर्धारित 8 मिनट में इस नौनिहाल ने 200 गणितीय सवाल में से 197 का सहीं जवाब दिया। इस प्रतियोगिता में 30 देशों के 6 हजार से अधिक नौनिहालों ने भाग लिया जिसमें भारत के 24 राज्यों व 8 केन्द्र शासित राज्यों के विद्यार्थी प्रतिनिधि भी शामिल थे। प्रतियोगिता 9 से 13 वर्ष उम्र के विद्यार्थियों के लिये था । प्रथम रनर अप के ऊपर सिर्फ चैंपियन ट्राफी होता है जिसे 200 प्रश्नों में से 200 का सहीं हल कर अन्य प्रतिभागी ने जीता।

सन् 1993 में मलेशिया में स्थापित यूंसीएमएएस अबैकस आधारित मानसिक गणित शिक्षा प्रदान करने के उद्देश्य से यह प्रतियोगिता विभिन्न देशों में आयोजित करता है और दिल्ली में इसका दूसरा आयोजन था । अबैकस के प्राचीन उपकरण को आधुनिक शिक्षण पद्धतियों के साथ जोड़ छात्रों में इस तकनीक से और बेहतर क्या किया जा सकता है इसकी जानकारी एकत्रित करने के? साथ - साथ विद्यार्थियों के हौसले बढ़ाने के उद्देश्य से इस प्रतियोगिता का यह 25 वां वर्ष था । इस संस्था के चौबे कालोनी सेंटर से अनुष्का प्रतियोगिता में भाग लेने प्रतिनिधि चुनी गई व इसकी शिक्षकगण शिक्षा सिंह, निधि सिंह व धर्मेन्द्र सिंह थे। अनुष्का अमीन पारा निवासी अधिवक्ता रविशंकर अग्रवाल की पुत्री है।

पंडित धीरेंद्र शास्त्री आएंगे राजिम में

रायपुर। राजिम कुंभ 2025 में पंडित धीरेंद्र शास्त्री आएंगे। सीएम विष्णु देव साय के निर्देश पर राजिम विधायक रोहित साहू ने बाबा बागेश्वर धाम पहुंचकर पीठाधीश्वर पं. बागेश्वर धाम सरकार को आगामी राजिम कुंभ (कल्प) 12 से 26 फरवरी तक, में कथावाचन करने व दरबार लगाने हेतु सहृदय आमंत्रित किया। इस दौरान बसंत अग्रवाल, राजू साहू मौजूद रहे। छत्तीसगढ़ के प्रयागराज के रूप में प्रसिद्ध राजिम में 12 फरवरी से 26 फरवरी तक कुंभ कल्प का भव्य आयोजन किया जाएगा। इस वर्ष यह अद्भुत धार्मिक और सांस्कृतिक आयोजन 52 एकड़ के नए प्रस्तावित मेला स्थल पर संपन्न होगा।

वन विभाग ने 17 गांवों को बाघ से सावधान रहने करा दी मुनादी

खैरागढ़। जिले में बाघ के पगमार्क देखे गए हैं। बाघ की दस्तक से वन विभाग सतर्क हो गया है। विभाग ने 17 गांवों में मुनादी करा दी है और ग्रामीणों को सतर्क रहने को कहा है। इसके साथ ही, वनांचल क्षेत्रों में पेट्रोलिंग भी बढ़ा दी गई है। खैरागढ़ और डोंगरगढ़ के जंगलों में बाघों की मूवमेंट ने वन विभाग और पर्यावरण विशेषज्ञों का ध्यान आकर्षित किया है। बता दें कि स्थानीय संस्था प्रकृति शोध एवं संरक्षण सोसाइटी ने पिछले पाँच वर्षों से लगातार यहाँ बाघों के मूवमेंट पर नजर रखी हुई है। यह क्षेत्र बाघों के लिए एक महत्वपूर्ण कॉरिडोर के रूप में काम करता है, जिससे बाघ हर साल यहां से गुजरते हैं। पहले इस क्षेत्र में बाघों की स्थायी उपस्थिति थी, लेकिन अभी भी हर साल यहाँ बाघों की दस्तक होती है।

अतिथि वो जिसका आने व जाने का समय निश्चित नहीं-मनोज शास्त्री

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। अतिथि वो होते है जिनके आने का न तो निश्चित समय होता है और ना ही जाने का समय निश्चित होता है। जो बताकर आते और जाते है व अतिथि कैसे कहलाएंगे। अतिथि की सेवा और सत्कार करना ही नारायण की सेवा करना है। गुढियारी हनुमान मंदिर के वार्षिकोत्सव में आयोजित श्रीमद् भागवत कथा के दौरान महाभारत का दृष्टांत का वर्णन करते हुए ये बातें वृंदावन से आए कथावाचक मनोज कृष्ण शास्त्री जी ने श्रद्धालुजनों को बताई।

उन्होंने कहा कि वर्तमान दौर में कलयुग शुरु हो चुका है और कलयुग अपना प्रभाव भी दिखा रहा है जिसका असर लोगों पर परिलक्षित हो रहा है। ऐसे समय में भगवान का स्मरण और उनका सन-कीर्तन व श्रवण ही इससे छूटकारे का उपाय है। जो कहते है कि भगवान व भजन बुढ़ापे में करेंगे यह संभव नहीं है क्योंकि इसके लिए बचपन से ही अभ्यास करना होता है। एकाएक भगवान की भक्ति और भजन नहीं हो सकते। संतों की सेवा करने से उनसे जो प्रसाद प्राप्त होता है उससे मनुष्य का जीवन बदल जाता है। कथा श्रवण से शुष्क अवस्था में रहने वाले भी जागृत हो जाते है फिर चाहे वह पशु-पक्षी अथवा अन्य कोई जीव क्यों न हो।

शास्त्री जी ने ज्ञान प्राप्ति की व्याख्या करते हुए कहा कि मनुष्य को ज्ञान भी तभी प्राप्त हो सकता है जब वह ज्ञान उसे परमज्ञानी से प्राप्त हो सकता है, जिसमें कि उसके प्रति उसकी पूरी श्रद्धा, निष्ठा और कामनारहित भक्ति होती है, तभी उसे सच्चे ज्ञान की प्राप्ति हो सकती है। आज-कल बड़ों को प्रमाण करने की परंपराएं बदल गई है, केवल नाम मात्र और दिखावे के लिए ही इन परंपराओं का पालन किया जा रहा है। वास्तविकता यह हैं कि जब निष्काम मन से प्रमाण और बड़ों की सेवा की जाती है तो उनसे जो आर्शीवाद और प्रसाद प्राप्त होता है उससे जीवन सुखमय हो जाता है। शास्त्री जी ने महाभारत में कुंति के दृष्टांत का वर्णन करते हुए बताया कि कुंति ने भगवान से कुछ नहीं मांगा, उसने केवल भगवान से कष्ट ही मांगे, जबकि उसका जीवन कष्टों से भरा हुआ था। भगवान के पूछने पर कुंति ने कहा कि कष्ट में भगवान आप हमेशा मेरे साथ बने रहोगे, जबकि सुख आने पर मैं आपको भूल भी सकती हूं और वह मैं नहीं चाहती। दुख में आप हमेशा मेरे साथ ही रहेंगे, जब आप साथ रहेंगे तो मुझे दुख और सुख दोनों मेरे साथ होंगे।

ऑटो एक्सपो से दो दिन में सरकारी खजाने में पहुंचे 93 करोड़ रुपए

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। साइंस कालेज मैदान में राडा द्वारा आयोजित ऑटो एक्सपो में जिस रफ्तार से वाहनों की बिक्री व डिलीवरी हो रही है औसत प्रति दिन 1000 से ऊपर वाहन का आंकड़ा स्पष्ट दिख रहा है। जैसे कि पहले दिन 1550 वाहन बिक गई दूसरे दिन भी यही उम्मीद थी लेकिन 1157 अंतिम आंकड़े रहे। कुल मिलाकर दो दिन में 2613 वाहनों की बिक्री सभी सेग्मेंट के वाहनों को मिलाकर हुई। शनिवार को हजार से बारह सौ के लगभग बिक्री तय है। इस आधार पर दो दिन में सरकारी खजाने में 93 करोड़ पहुंच गए हैं, क्योंकि ऑटोमोबाइल इंडस्ट्रीज पर 23 प्रतिशत जीएसटी देय है। ऑटो एक्सपो में आजीवन रोड टैक्स पर 50 प्रतिशत छूट राज्य सरकार द्वारा दिए जाने से आरटीओ को भी अच्छा खासा फायदा हो रहा है। ग्राहकों को इससे 13 करोड़ रुपए की छूट उठाने का मौका मिला है। इस लिहाज से देखें तो यह ऑटो एक्सपो सरकार, डीलर्स व कस्टमर तीनों के लिए काफी फायदेमंद साबित हो रहा है।

राडा के अध्यक्ष रविन्द्र भसीन, उपाध्यक्ष कैलाश खेमानी, सचिव विवेक अग्रवाल और कोषाध्यक्ष मुकेश सिंघानिया ने एक्सपो में हुए इस शुरुआती कारोबार के लिए राज्य सरकार व कस्टमर परिवार का आभार जताया है। हर दिन नए आयाम तय करते इस एक्सपो में पहुंचने वाले अधिकांश लोग अपनी मनपसंद वाहनों की खरीदी कर रहे हैं। रोड टैक्स में छूट की सौगात जो एक्सपो अवधि के दौरान सरकार ने दी है उसका फायदा औसतन दोपहिया वाहन में 8 फीसदी तथा फोर व्हीलर्स व कमर्शियल में 10 फीसदी का फायदा हो रहा है। आन स्पाट फाइनेंस की सुविधा भी बैंकिंग सहयोगी प्रदान कर रहे हैं, इसमें जीरो प्रोसेसिंग फ्री है। इसलिए ग्राहको को कोई फाइनेंशियली दिक्कत भी नहीं आ रही है।

ऑटो एक्सपो में विविध प्रकार के कार्यक्रम भी रोज हो रहे हैं। शनिवार को इंटरटेनमेंट में म्यूजिकल बैंड व ड्रांस ग्रुप की शानदार प्रस्तुति से कस्टमर परिवार व विजिटर्स आनंद उठाते रहे। आने वाले दिनों में फैशन शो, क्वीज प्रतियोगिता से लेकर और भी कार्यक्रमि किए जाएंगे। रोड सेफ्टी को लेकर भी विभिन्न प्रकार के अवेयरनेस प्रोग्राम किए जा रहे हैं। ऑटो एक्सपो स्थल साइंस कालेज के विशाल मैदान में आयोजित हैं इसलिए पहुंचने वालों को पार्किंग की आसान सुविधा भी मिल रही है। कल संडे को और भी ज्यादा संख्या में लोगों की पहुंचने की संभावना को देखते हुए स्टॉल होल्डर्स ने विशेष तैयारी कर रखी है।

महावीर कोचर महावीर जन्म कल्याणक महामहोत्सव समिति के अध्यक्ष बने

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। वर्तमान जिनशासन नायक 24 वे तीर्थंकर भगवान महावीर जन्म कल्याणक महामहोत्सव हर वर्ष पूरे भारत देश धार्मिक वातावरण में हर्षोल्लास के साथ मनाया जाता है। रायपुर में भी सकल जैन समाज जैन समाज के सभी घटक एक जुट होकर पूरे माह भर विभिन्न सांस्कृतिक महोत्सव आयोजित कर जन्म कल्याणक मानते है। यह आयोजन सकल जैन समाज द्वारा आयोजित किया जाता है। जिसके लिए महावीर जन्म कल्याणक माह महोत्सव समिति द्वारा प्रति वर्ष अध्यक्ष महासचिव एवं कोषाध्यक्ष का चुनाव सर्वसम्मिति से समाजजन द्वारा किया जाता है।

इस वर्ष अध्यक्ष के चुनाव हेतु एक महत्वपूर्ण आम सभा बैठक 18 जनवरी को आराधन हाल, ऋषभ देव मंदिर, सदर बाजार में रात्रि 8 बजे आयोजित की गई जिसमें अध्यक्ष पद हेतु महावीर कोचर, महासचिव पद हेतु सिद्धार्थ डागा एवं कोषाध्यक्ष पद हेतु वीरेंद्र डागा को सर्वसम्मिति से चुना गया। उपस्थित आम सभा में समाजजन ने सभी सर्वसम्मिति से चुने गए पदाधिकारियों को शुभकामनाएं प्रदान की। इस अवसर पर विशेष रूप से महेंद्र कोचर, विजय चोपड़ा, कमल भंसाली, यशवंत जैन, उदयराज पारख, मनोज लूंकड, अनिल बरडिया, निकुंज साचला, विकास धाडीवाल, अमित सुराणा, अतुल कात्रेला उपस्थित थे।

अध्यक्ष महावीर कोचर ने बताया कि भगवान महावीर जन्म कल्याणक महामहोत्सव जैन धर्म का एक अत्यंत महत्वपूर्ण त्योहार है। 2025 में महावीर जयंती का आयोजन चैत्र शुक्ल की त्रयोदशी तिथि 10 अप्रैल को होगा। इस दिन जैनों के लिए अत्यधिक आध्यात्मिक महत्व होता है क्योंकि वे जैन धर्म के 24 वें और आखिरी तीर्थंकर के जीवन और उनकी शिक्षाओं की स्मृति करते हैं। चैत्र शुक्ल की त्रयोदशी तिथि, महावीर जयंती का आयोजन होता है। भगवान महावीर ने जैन धर्म की स्थापना की और उसके प्रचार-प्रसार में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। 24वे तीर्थंकर, भगवान महावीर, को जैन धर्म के संस्थापक और जन्म कल्याणक के रूप में भी माना जाता है महावीर जन्म महामहोत्सव भारत के एक महत्वपूर्ण आध्यात्मिक प्रतीक भगवान महावीर के जन्म की सार्थक उत्सव है। यह त्योहार जैनों के लिए गहरे सांस्कृतिक और दार्शनिक महत्व के साथ होता है।

विधायक साहू ने वार्ड 4 में सीसी रोड व आरसीसी नाली सहित विभिन्न कार्यों का किया भूमिपूजन

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। रायपुर ग्रामीण विधायक मोतीलाल साहू ने रविवार को रायपुर ग्रामीण विधानसभा क्षेत्र क्रमांक 48 के अंतर्गत नगर पालिक निगम रायपुर के जोन क्रमांक 1 के तहत यतियतनलाल वार्ड नम्बर 4 के क्षेत्र में रिंग रोड नम्बर 2 के सर्विस रोड से लेकर समस्त गुजराती लोहार समाज भवन तक अधोसंरचना मद के अंतर्गत 91 लाख 41 हजार रूपये की स्वीकृत लागत से सीसी रोड, आरसीसी नाली निर्माण कार्य एवं पाईप लाईन विस्तार कार्य शीघ्र करने श्रीफल फोड़कर एवं कुदाल चलाकर यतियतनलाल वार्ड नम्बर 4 की पूर्व पार्षद टेसू नंदकिशोर साहू, जोन 1 जोन कमिश्नर हितेन्द्र यादव, कार्यपालन अभियंता डी. के. पैकरा, गजाराम कँवर सहित गणमान्यजनों, सामाजिक कार्यकर्त्ताओं, नवयुवकों, महिलाओं, आमजनों की उपस्थिति के मध्य नवीन स्वीकृत विकास कार्यों को भूमिपूजन करते हुए प्रारम्भ करवाया।

रायपुर ग्रामीण विधायक मोतीलाल साहू ने नगर निगम जोन 1 जोन कमिश्नर एवं कार्यपालन अभियंता को तत्काल स्वीकृति अनुसार जनहित में जनसुविधा विस्तार की दृष्टि से निगम जोन 1 के यतियतनलाल वार्ड नम्बर 4 के क्षेत्र में सीसी रोड, आरसीसी नाली निर्माण कार्य और पाईप लाईन विस्तार कार्य प्रारम्भ करवाकर सतत मॉनिटरिंग करते हुए तय समयसीमा के भीतर उच्च स्तरीय गुणवत्ता सहित प्राथमिकता से पूर्ण करवाना सुनिश्चित करने के निर्देश दिए है। वार्ड क्रमांक 4 की पूर्व पार्षद टेसू नंदकिशोर साहू ने रायपुर ग्रामीण विधायक मोतीलाल साहू को नगर निगम जोन 1 के वार्ड नम्बर 4 के क्षेत्र में 91 लाख 42 हजार रुपये के नवीन स्वीकृत विकास कार्य प्रारम्भ करवाने पर हार्दिक धन्यवाद दिया है। वार्डवासियों ने वार्ड 4 में रायपुर ग्रामीण विधायक मोतीलाल साहू द्वारा भूमिपूजन करके एकमुश्त 91 लाख 42 हजार रुपये के नए स्वीकृत विकास कार्य प्रारम्भ कराये जाने पर प्रसन्नता व्यक्त की है।

86वीं सीनियर राष्ट्रीय स्पर्धा के लिए छत्तीसगढ़ टेबल टेनिस टीम की घोषणा

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। भारतीय टेबल टेनिस महासंघ के तत्वावधान में गुजरात स्टेट टेबल टेनिस संघ द्वारा सूरत में 19 से 26 जनवरी 2025 तक 86वीं सीनियर राष्ट्रीय एवं अंतर राज्यीय टेबल टेनिस प्रतियोगिता-2024 आयोजित की जा रही है जिसके लिये छत्तीसगढ़ ओलंपिक संघ के उपाध्यक्ष शरद शुक्ला ने छत्तीसगढ़ राज्य के सीनियर (पुरूष एवं महिला) टीम की घोषणा की गयी।

इस अवसर पर कनाडा के मास्टर्स बैडमिंटन खिलाड़ी एवं राज्य के पूर्व बैडमिंटन खिलाड़ी राहुल ताम्रकार, संघ पदाधिकारी श्री विनय बैसवाड़े सहित सभी पदाधिकारियो ने टीम को शुभकामनाए दी एवं अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद जतायी। प्रतियोगिता में भाग लेने हेतु छत्तीसगढ़ राज्य कि सीनियर (पुरुष एवं महिला) टीम आज रवाना हुए। टीम के कोच पीएन मजुमदार (रायपुर) एवं मेनेजर श्रीमती गीतांजली पाठक (दुर्ग) है। छत्तीसगढ़ से प्रतियोगिता में अंपायरिंग के लिए अंतर्राष्ट्रीय अंपायर प्रवीण निरापुरे (रायपुर) को चुना गया है। उपरोक्त जानकारी छत्तीसगढ़ टेबल टेनिस संघ के उपाध्यक्ष विनय बैसवाड़े ने दी।

छत्तीसगढ़ की टीम में सीनियर पुरुष - अर्जुन मल्होत्रा (रायपुर), प्रणय चौहान (रायपुर), अरिंदम देबनाथ (रायपुर), सागर घाटगे-कप्तान (रायपुर), राजीव साहू (रायपुर)। सीनियर महिला - सुष्मिता सोम -कप्तान (बिलासपुर), प्रज्ञा पाठक (दुर्ग), सुरभि मोदी (रायपुर), लावण्या पांडे (रायपुर), दीप्ती मंडावी (कोंडागांव) शामिल हैं।

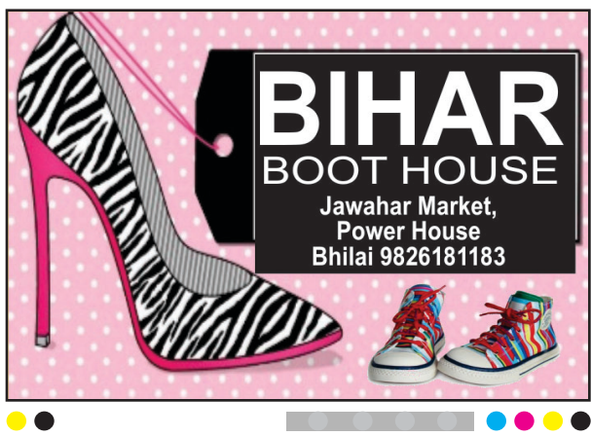

बिग बॉस-18 के फिनाले में पहुंचने के लिए ईशा सिंह ने मेकर्स को दिए इतने पैसे?

ईशा सिंह इस समय बिग बॉस 18 में नजर आ रही है। सोशल मीडिया पर ऐसा कहा जा रहा था कि एक्ट्रेस ने फिनाले में पहुंचने के लिए मेकर्स को पैसे दिए। अब उनकी टीम ने इस पर प्रतिक्रिया दी है।

बिग बॉस 18 का ग्रैंड फिनाले ग्रैंड फिनाले काफी खास होने वाला है और कहा जा रहा है कि इसमें अक्षय कुमार आ सकते हैं। इसके अलावा सोशल मीडिया पर ऐसी चर्चा है कि सलमान खान की फिल्म सिकंदर के कास्ट इसमें शामिल होंगे। टॉप 6 में विवियन डीसेना, अविनाश मिश्रा, करण वीर मेहरा, चुम दरंग और रजत दलाल हैं। इस बीच ऐसा दावा किया जा रहा है कि ईशा ने फिनाले में जगह बनाने के लिए 30 प्रतिशत पेमेंट दी है। अब इसपर उनके परिवार और टीम ने अपनी प्रतिक्रिया दी है।

ईशा सिंह के परिवार ने एक ऑफिशियल स्टेटमेंट जारी किया है। इस स्टेटमेंट के अनुसार, हम ईशा की टीम और परिवार की तरफसे बता रहे हैं कि मीडिया पोर्टल में किए जा रहे दावे कि ईशा बिग बॉस के फिनाले में जगह सुरक्षित करने के लिए अपनी कमाई का 30 प्रतिशत दे रही है, वह गलत है। इस तरह के आरोप ना केवल निराधार हैं, बल्कि ईशा के सालों से अपने करियर में की गई कड़ी मेहनत के प्रति भी बेहद अपमानजनक हैं। ईशा ने अपनी मेहनत से इंडस्ट्री में जगह बनाई है। उनकी टीम ने आगे लिखा कि, यह देखकर निराशा होती है कि कितनी आसानी से गलत अफवाह फैल जाती है, जिससे उस इंसान की इमेज खराब हो सकती है जिसने अपने सपनों को हासिल करने के लिए बहुत मेहनता किया हो। हम सभी से आग्रह करेंगे कि ऐसे अफवाह से बचें और ईशा का सपोर्ट करें ताकि वह अपने करियर में साइन करें। बता दें कि बिग बॉस-18 में ईशा, अविनाश सिंह। विवियन डीसेना और एलिस कौशिक संग दोस्ती को लेकर चर्चा में आई थी। एलिस शो से बाहर हो चुकी है और टॉप 6 में विवियन और ईशा हैं।

सिंगर दर्शन रावल ने रचाई शादी, कई सालों से पार्टनर को कर रहे थे डेट

बॉलीवुड सिंगर दर्शन रावल सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहते हैं। यंग जनरेशन के बीच वो काफी पॉपुलर हैं। अब खबर आ रही है कि उन्होंने अपनी लॉन्ग टाइम गर्लफ्रेंड के साथ शादी रचा ली है। सोशल मीडिया पर कपल ने शादी की झलक फैंस के साथ शेयर की है जिसके बाद से फैंस उन्हें जमकर बधाइयां दे रहे हैं।

बॉलीवुड की कई फिल्मों में अपनी आवाज का जादू चलाने वाले सिंगर दर्शन रावल शादी के बंधन में बंध गए हैं। सोशल मीडिया पर कपल की शादी की तस्वीरें तेजी से वायरल हो रही हैं। दोनों कई सालों से एक दूसरे को डेट कर रहे थे और खबरों के मुताबिक धरल सुरेलिया उनकी बेस्ट फ्रेंड थीं। इस खुशखबरी को सिंगर ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर फैंस के साथ शेयर किया है।

सिंगर की तस्वीर पर फैंस कर रहे रिएक्ट

शादी के इस खास मौके पर दर्शन और उनकी पत्नी धरल सुरेलिया दोनों ही बेहद प्यारे लग रहे थे। धरल ने लाल रंग के जोड़े में बेहद खूबसूरत नजर आ रही हैं। उनके लहंगे की शानदार कढ़ाई ने हर किसी का ध्यान खींच लिया। सिंगर की पत्नी ने नाक में सिल्वर नथ पहनी जो उनके लुक पर चार चांद लगाने का काम रही है। खास बात ये है कि धरल ने दो दुपट्टे पहने थे, जोकि काफी प्यारे कॉम्बिनेशन से सजाए गए थे।

वहीं दर्शन रावल आइवरी-टोन्ड चिकनकारी शेरवानी में काफी स्मार्ट लग रहे थे, जिसके लिए उन्होंने मैचिंग पैंट और दोशाले कैरी किया था। फोटो में दर्शन मंडप में अपनी दुल्हन धरल के हाथ पर किस करते हुए भी नजर आए।

कौन हैं दर्शन की पत्नी धरल सुरेलिया?

आप में से कई लोग उनकी पत्नी के बारे में जानना चाह रहे होंगे। तो आपकी जानकारी के लिए बता दें कि दर्शन की पत्नी धरल सुरेलिया एक आर्किटेक्ट और डिजाइनर हैं। धरल ने अपनी पढ़ाई बैबसन कॉलेज से पूरी की है और इसके बाद उन्होंने एंटरप्रेन्योरशिप में एम.एससी की डिग्री हासिल की थी। वो बटर कॉन्सेप्ट्स नामक डिजाइन फर्म की संस्थापक भी हैं। हमें ये जानकारी उनके लिंक्डइन प्रोफाइल से मिली है, जहां इस सब के बारे में उन्होंने खुद बताया है।

सिंपल डाइट से पाएं स्वस्थ शरीर, आसान और सस्ता तरीका!

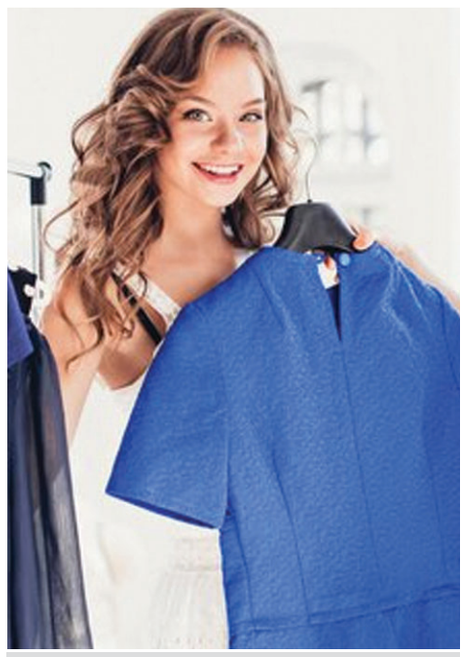

आजकल की भागदौड़ भरी जिंदगी में फिट रहना हर किसी की प्राथमिकता बन गया है। लेकिन कई बार लोग हेल्दी डाइट को जटिल और महंगा मानकर इससे दूर भागते हैं। सच्चाई यह है कि हमारी रोजमर्रा की खाने की आदतों में थोड़े बदलाव से ही हम हेल्दी और संतुलित डाइट अपना सकते हैं। आज इस आर्टिकल में हम आपको शरीर को स्वस्थ बनाने के आसान और सस्ते टिप्स के बारे में बताएंगे।।।

सिंपल डाइट का मतलब है ऐसा खाना जो हमारे शरीर को पोषण दे और आसानी से पच सके। दाल-चावल, रोटी-सब्जी, और मौसमी फल जैसी चीजें इसमें शामिल होती हैं। इनका न केवल स्वाद अच्छा होता है, बल्कि ये जेब पर भी भारी नहीं पड़ते। उदाहरण के तौर पर, दाल प्रोटीन का अच्छा स्रोत है, तो वहीं चावल शरीर को ऊर्जा देता है। हरी सब्जियां और सलाद विटामिन और फाइबर से भरपूर होती हैं।

मौसमी फलों का सेवन करें

मौसमी फलों को अपनी डाइट का हिस्सा बनाना भी फायदेमंद होता है। जैसे सर्दियों में अमरूद और संतरा खाना और गर्मियों में तरबूज और आम। इनसे न केवल शरीर को जरूरी पोषण मिलता है, बल्कि ये हमारे इम्यून सिस्टम को भी मजबूत करते हैं।

तले-भुने खाने से बचें

सिंपल डाइट अपनाने के लिए जरूरी है कि हम बाहर के तले-भुने खाने से बचें और घर का बना खाना प्राथमिकता दें। साथ ही खाने में ज्यादा तेल और मसालों का इस्तेमाल न करें। सरल खाना न केवल सेहतमंद होता है, बल्कि इसे तैयार करना भी आसान है।

सैफ को लहूलुहान हालत में छोड़ बहन के घर भागी करीना

सैफ अली खान पर उन्हीं के घर पर हुए हमले के मामले में लगातार कई खुलासे हो रहे हैं। इस मामले में करीना कपूर के घर पर होने और अपनी बहन के घर जाने को लेकर कुछ खुलासे हुए हैं।

ऐसे हुआ सैफ पर हमला

मीडिया रिपोर्ट की मानें तो करीना कपूर खान ने बताया कि आरोपी उनके छोटे बेटे जहांगीर को मारने के लिए आगे बढ़ रहा था, उसे बचाने सैफबीच में आए। आत्मरक्षा के लिए तलवार लाने के लिए मुड़े तभी आरोपी ने चाकू से उन पर हमला कर दिया। इसी घटना में सैफघायल हो गए।

करीना ने बताई सारी कहानी

करीना के मुताबिक आरोपी ने घर की कोई चीज नहीं चुराई है लेकिन वह बहुत गुस्से में था। खबरों के मुताबिक सैफके साथ अस्पताल में करीना भी गईं, वे इस घटना को देख घबरा गई थीं, इसके बाद वे अपनी बहन के घर चली गई थीं। हालांकि, करीना ने अपने बयान में कहा कि इस घटना के बाद वह बहुत डर गई थीं, इस घटना के बाद करिश्मा कपूर उन्हें अपने घर खार ले गई थीं। हालांकि, इसके बाद करीना को सुबह बिल्डिंग के नीचे हाउस हेल्पर्स से बात करते देखा गया था।

गर्दन और बांह पर लगे घाव

करीना कपूर खान ने बताया कि सैफ अली खान की गर्दन और बांह पर भी गहरे जख्म हुए। आरोपी ने उनकी रीढ़ की हड्डी के पास चाकू घोंप दिया। डॉक्टर्स ने भी इसी हालत को लेकर अपने बयान में कई बातें कही हैं।

अब कैसी है सैफ की हालत

हाल ही में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में उनके डॉक्टरों ने बताया कि सुधार के संकेत मिलने के बाद उन्हें नॉर्मल वार्ड में शिफ्ट किया गया है। हालांकि, अब खुलासा हुआ है कि होश में आने के बाद खान ने अपने डॉक्टरों से दो सवाल पूछे। आज तक की एक रिपोर्ट के अनुसार, सैफ अली खान ने पूछा कि क्या वे शूटिंग फिर से शुरू कर पाएंगे और जिम जा पाएंगे।

खूबसूरत साड़ी पहन प्रज्ञा जैसवाल ने कैमरे के सामने दिखाई हॉटनेस

बॉलीवुड एक्ट्रेस प्रज्ञा जैसवाल आए दिन अपनी लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट कर अक्सर फैंस को अपना दीवाना बना देती हैं। उनका हर एक लुक इंटरनेट पर आते ही तेजी से वायरल होने लग जाता है। अब हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें फैंस के बीच साझा की हैं। इन फोटोज में उनका कातिलाना अवतार देखकर फैंस एक बार फिर से अपने होश खो बैठे हैं। एक्ट्रेस प्रज्ञा जैसवाल ने अपने करियर में अब तक 14 से ज्यादा फिल्मों, सीरियल और सीरीज में काम किया है। वो भले ही इन दिनों किसी फिल्मों में नहीं नजर आ रही हैं, लेकिन आए दिन अपनी तस्वीरों से फैंस का सारा ध्यान अपनी ओर खींचती रहती हैं।

अब हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें फैंस के बीच साझा की हैं। इन फोटोज में उनका हॉट एंड ग्लैमरस अंदाज देखकर फैंस एक बार फिर से बेकाबू हो गए हैं। प्रज्ञा जैसवाल की हालिया फोटोशूट कराई गई तस्वीरों में आप देख सकते हैं एक्ट्रेस ने येलो कलर की बेहद ही खूबसूरत सिंपल साड़ी पहनी हुई है, जिसमें वो बेहद ही स्टनिंग और हॉट नजर आ रही हैं।

खुले बाल, चेहरे पर प्यारी सी स्माइल और लाइट मेकअप कर के एक्ट्रेस ने अपने आउटलुक को कंप्लीट किया है। एक्ट्रेस प्रज्ञा जैसवाल जब भी अपनी फोटोज इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो फैंस उनकी हर एक फोटोज पर लाइक्स और कॉमेंट्स करते नहीं थकते हैं। हालांकि इन फोटोज में भी कुछ ऐसा ही देखने को मिल रहा है। एक यूजर ने तस्वीरों पर कॉमेंट करते हुए लिखा है- टू मच हॉट। वहीं, दूसरे यूजर ने लिखा है- यू लुक ग्लैमरस। तीसरे यूजर ने लिखा है- स्टनिंग। ऐसे ही एक के बाद एक कॉमेंट आ रहे हैं।

बदबूदार सांसों से छुटकारा दिलाएंगे ये 10 नुस्खे, डॉक्टर के मुताबिक 8वां तरीका आसान

मुंह की बदबू एक ऐसी समस्या है जिससे बहुत से लोग परेशान हैं। बदबूदार सांस कई कारण हो सकते हैं जैसे कि ठीक से ब्रश न करना, खाना खाने के बाद ठीक से मुंह न धोना, स्मोकिंग करना या तंबाकू खाना शामिल है। सांसों की बदबू से परेशान लोगों का सेल्फ कॉन्फिडेंस कम हो जाता है। चार लोगों के बीच में वे ठीक से बात नहीं कर पाते हैं। ऐसे में अगर आप भी ऐसी ही स्थिति का सामना कर रहे हैं? तो इसका काफी आसान और सस्ता घरेलू इलाज है। सस्ता घरेलू इलाज।

1.ग्रीन टी-इसमें पाए जाने वाले एंटीबैक्टिरियल तत्व मुंह की बदबू को कम करने में सक्षम होते है।

2.मुलेठी-मुलेठी को प्रतिदिन चबाने से मुंह का स्वास्थ्य बेहतर होता है, साथ ही मुंह से बदबू आने की समस्या भी कम होती है। मुलेठी चबाने से मुंह का स्वास्थ्य बेहतर होता है

3.लौंग-लौंग को भी मुंह के स्वास्थ्य के लिए बेहतरीन माना जाता है। इसे हल्का भूनकर चबाने या मुंह में रख कर चूसते रहने से मुंह की दुर्गन्ध दूर होती है।

4.पुदीना-पुदीने के पानी से कुल्ला करने या पुदीने की पत्ती को चबाने से भी मुंह की दुर्गन्ध दूर होती है।

5.सौंफ-सौंफ का सेवन ना सिर्फ मुंह की बदबू को दूर करने में मददगार होता है, बल्कि पाचन तंत्र के लिए भी फायदेमंद होता है। सौंफ मुंह की बदबू को दूर करने में मददगार

6.सूखा धनिया-सूखे धनिये को बेहतरीन मुखवास माना जाता है। इसे मुंह में रखकर चबाने से मुंह की दुर्गन्ध दूर हो जाती है.

7.तुलसी-प्रतिदिन तुलसी की पत्ती चबाने से भी मुंह की बदबू दूर हो जाती है। मुंह की बदबू भगाने के लिए तुलसी की पत्ती चबाएं

8.नमक के पानी से कुल्ला-प्रतिदिन गर्म पानी में नमक डालकर कुल्ला करने से मुंह की दुर्गन्ध कम होती है और गले में संक्रमण की आशंका कम हो जाती है।

9.अमरूद की पत्तियां-अमरूद की पत्तियां औषधीय गुणों से भरपूर होती है। साथ ही उन्हें चबाने से मुंह की दुर्गन्ध कम होने के साथ ही मुंह के छालों में भी आराम मिलता है।

10.अनार का छिलका-आप अनार का छिलका भी मुंह की बदबू को दूर करने के लिए इस्तेमाल कर सकते हैं। इसके लिए अनार के छिलके को पानी में उबालकर उस पानी से कुल्ला करें।

ध्यान देने वाली बात...

मुंह से दुर्गन्ध आना कई गंभीर बीमारियों के लक्षण भी हो सकते हैं। इसलिए यदि सांसों से बदबू के अलावा नाक बहने तथा बलगम वाली खांसी के साथ बुखार आए, गले में छाले हो और मसूड़ों में दर्द या उनसे खून निकले, तो तुरंत चिकित्सक की सलाह लेनी चाहिए।

पीएम नरेन्द्र मोदी ने 'भारत मोबिलिटी ग्लोबल एक्सपो' 2025 का उद्घाटन किया

विकसित भारत की यात्रा मोबिलिटी क्षेत्र में अप्रत्याबशित कायाकल्पद और अभूतपूर्व वृद्धि की साक्षी बनेगी: प्रधानमंत्री

नई दिल्ली (पीआईबी)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने नई दिल्ली के भारत मंडपम में 'भारत मोबिलिटी ग्लोबल एक्सपो 2025' का उद्घाटन किया। यह भारत का सबसे बड़ा मोबिलिटी एक्सपो है। प्रधानमंत्री ने उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए लगातार तीसरी बार उनकी सरकार को चुनने के लिए लोगों को धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि इस साल के एक्सपो का दायरा काफी बड़ा हो गया है क्योंकि यह आयोजन राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में दो अन्य स्थानों पर भी हो रहा है। पिछले वर्ष इस आयोजन में आठ सौ से अधिक प्रदर्शक और डेढ लाख से अधिक लोग आए थे। श्री मोदी ने कहा कि अगले 5 दिनों में कई नए वाहन लॉन्च किए जाएंगे और कार्यक्रम में कई प्रतिनिधि शामिल होंगे जिससे पता चलता है कि भारत में मोबिलिटी के भविष्य को लेकर काफी सकारात्मकता है। आयोजन स्थल पर प्रदर्शनी देखने का जिक्र करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि भारत का ऑटोमोटिव उद्योग शानदार है और भविष्य के लिए तैयार है। उन्होंने सभी को अपनी शुभकामनाएं भी दीं।

प्रधानमंत्री ने इस भव्य आयोजन के दौरान रतन टाटा और ओसामु सुजुकी को याद किया। उन्होंने कहा कि भारतीय ऑटो सेक्टर के विकास के साथ-साथ भारत के मध्यम वर्गीय परिवारों के सपनों को पूरा करने में इन दोनों दिग्गजों का योगदान बहुत बड़ा है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि उनकी विरासत भारत के पूरे मोबिलिटी सेक्टर को प्रेरित करती रहेगी। प्रधानमंत्री ने कहा कि लोगों की आकांक्षाओं और युवाओं की ऊर्जा से प्रेरित होकर भारत का ऑटोमोबाइल क्षेत्र अभूतपूर्व परिवर्तन देख रहा है। उन्होंने कहा कि पिछले एक साल में भारतीय ऑटो उद्योग में लगभग 12 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। उन्होंने आगे कहा कि मेक इन इंडिया और मेक फॉर द वर्ल्ड के मंत्र के चलते निर्यात बढ़ रहा है। श्री मोदी ने कहा कि भारत में सालाना बिकने वाली कारों की संख्या कई देशों की आबादी से भी ज़्यादा है। उन्होंने कहा कि एक साल में लगभग 2.5 करोड़ कारों की बिक्री भारत में लगातार बढ़ती मांग को दर्शाती है। प्रधानमंत्री ने कहा कि यह वृद्धि दर्शाती है कि जब मोबिलिटी के भविष्य की बात आती है तो भारत को इतनी अधिक उम्मीदों के साथ क्यों देखा जाता है।

श्री मोदी ने कहा कि भारत वर्तमान में दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था और तीसरा सबसे बड़ा यात्री वाहन बाजार है। उन्होंने कहा कि जैसे-जैसे भारत वैश्विक स्तर पर शीर्ष तीन अर्थव्यवस्थाओं में से एक बनने की ओर अग्रसर होगा, देश के ऑटो बाजार में

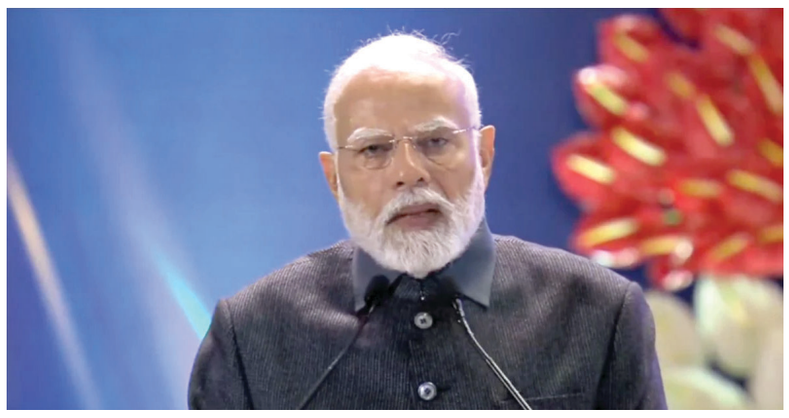

अभूतपूर्व परिवर्तन और विस्तार देखने को मिलेगा। प्रधानमंत्री ने इस बात पर बल दिया कि भारत में मोबिलिटी के भविष्य को कई कारक संचालित करते हैं जिनमें देश की बड़ी युवा आबादी, बढ़ता मध्यम वर्ग, तेजी से शहरीकरण, आधुनिक बुनियादी ढांचे का विकास और मेक इन इंडिया पहल के माध्यम से किफायती वाहन शामिल हैं। उन्होंने कहा कि ये कारक सामूहिक रूप से भारत में ऑटो क्षेत्र के विकास को बढ़ावा देते हैं।

ऑटो उद्योग के विकास के लिए आवश्यकता के साथ-साथ आकांक्षाओं के महत्व को रेखांकित करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत में ये दोनों ही मौजूद हैं और इस बात पर बल दिया कि भारत कई दशकों तक दुनिया का सबसे युवा देश बना रहेगा जहां युवा सबसे बड़ा ग्राहक आधार होगा। उन्होंने कहा कि यह बड़ी युवा जनसांख्यिकी, उल्लेहखनीय मांग पैदा करेगी। प्रधानमंत्री ने यह भी कहा कि एक अन्य प्रमुख ग्राहक आधार भारत का मध्यम वर्ग है और पिछले एक दशक में 25 करोड़ भारतीय गरीबी से बाहर निकले हैं जिससे एक नव-मध्यम वर्ग का निर्माण हुआ है जो अपना पहला वाहन खरीद रहा है। उन्होंने कहा कि जैसे-जैसे प्रगति जारी रहेगी, यह समूह नए वाहन खरीदेगा जिससे ऑटो सेक्टर को लाभ होगा।

प्रधानमंत्री ने कहा कि अच्छी और चौड़ी सड़कों की कमी, कभी भारत में कार न खरीदने का एक कारण हुआ करती थी लेकिन अब स्थिति बदल रही है। उन्होंने कहा कि यात्रा-सुगमता अब भारत के लिए एक बड़ी प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि पिछले साल के बजट में बुनियादी ढांचे के विकास के लिए 11 लाख करोड़ रुपए से अधिक की राशि आवंटित की गई थी। प्रधानमंत्री ने उल्लेख किया कि पूरे भारत में मल्टी-लेन हाईवे और एक्सप्रेसवे का निर्माण किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि पीएम गतिशक्ति राष्ट्रीय मास्टर प्लान ने मल्टीमॉडल कनेक्टिविटी को गति दी है और लॉजिस्टिक्स लागत को कम किया है। प्रधानमंत्री ने इस बात पर बल दिया कि राष्ट्रीय लॉजिस्टिक्स नीति भारत को वैश्विक स्तर पर सबसे अधिक प्रतिस्पर्धी लॉजिस्टिक्स लागत वाला देश बनाएगी।

उन्होंने कहा कि ये प्रयास ऑटो उद्योग के लिए कई नए अवसर खोल रहे हैं और देश में वाहनों की बढ़ती मांग का एक महत्वपूर्ण कारण हैं। श्री मोदी ने कहा कि अच्छे बुनियादी ढांचे के साथ-साथ नई तकनीक को भी अपनाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि फास्टैग ने भारत में ड्राइविंग के अनुभव को बहुत आसान बना दिया है। प्रधानमंत्री ने इस बात पर बल दिया कि नेशनल कॉमन मोबिलिटी कार्ड भारत में निर्बाध यात्रा के प्रयासों को और मजबूत कर रहा है।

भिलाई में 'लेजर शो एवं सुदेश भोंसले नाईट' का आयोजन

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल) के निर्माण काल की गौरव गाथा को दर्शाने के लिए, भिलाई इस्पात संयंत्र द्वारा एक भव्य लेजर शो और प्रसिद्ध पार्श्व गायक सुदेश भोंसले की संगीतमय संध्या का आयोजन किया जा रहा है। 24 जनवरी को सेल अपना स्थापना मनाएगा। इस अवसर पर सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र के तत्वाधान में क्रीडा, सांस्कृतिक व नागरिक सुविधाएँ विभाग द्वारा सेल गौरव दिवस की पूर्व संध्या पर 23 जनवरी 2025 को यह भव्य लेजर शो एवं सुदेश भोंसले नाईट का आयोजन भिलाई क्लब के रॉयल क्रिस्टल गार्डन में, संध्या 7:00 बजे से किया जायेगा।

प्राचीन भारत टूरिज्म, बेंगलुरू द्वारा निर्मित इस अद्भुत व अनोखे लेजर शो में भिलाई इस्पात संयंत्र के समृद्ध के ऐतिहासिक घटनाक्रमों और उल्लेखनीय उपलब्धियों व देश की औद्योगिक प्रगति में संयंत्र के योगदान को उजागर कर आकर्षक चित्र व लेजर लाइट के संयोजन के माध्यम से दर्शाया जाएगा। इस लेजर शो की तैयारियां व्यापक स्तर पर चल रही हैं जो इस अंचल में अपनी तरह का पहला आयोजन होगा।

प्राचीन भारत टूरिज्म, बेंगलुरू ने इससे पहले भी सेल के दुर्गापुर स्टील प्लांट, बोकारो स्टील प्लांट, इसको स्टील प्लांट और एमटीआई रांची के लिए अद्भुत लेजर शो निर्मित किया है। इस लेजर शो से आधुनिक तकनीक और अतीत की भव्यता के मिश्रण के साथ इतिहास को देखने और समझने का अवसर मिलता है। साथ ही इस सांस्कृतिक संध्या में बॉलीवुड के अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रशंसित पार्श्व गायक सुदेश भोंसले द्वारा संगीतमय प्रस्तुति दी जाएगी। अपनी मनमोहक आवाज और लोकप्रिय हिंदी, मराठी और बॉलीवुड गीतों के लिए जाने जाने वाले भोंसले अपने चर्चित गीतों का एक रमणीय संग्रह प्रस्तुत करेंगे। क्रीडा, सांस्कृतिक व नागरिक सुविधाएँ विभाग द्वारा आयोजित यह विशेष सांस्कृतिक संध्या भिलाई के सभी संगीत प्रेमियों को समर्पित है। इस कार्यक्रम के द्वारा न केवल भिलाई की औद्योगिक विरासत बल्कि इसकी जीवंत सांस्कृतिक वैभव से भी लोगों को अवगत होने का अवसर मिलेगा। ये विभिन्न क्षेत्रों में कार्य करते हैं, जिसमें इतिहास, साहित्य, कला, वॉयस ओवर, प्रौद्योगिकी आदि शामिल हैं। प्राचीन भारत टूरिज्म आधुनिक तकनीक के माध्यम से ऐतिहासिक घटनाओं को एक नई कहानी के रूप में प्रस्तुत करते हैं, जिससे दर्शकों को एक आभासी यात्रा पर ले जाते हुए उन्हें इतिहास की गहराई को अनुभव करने का अवसर मिलता है।

संस्कृति मंत्रालय द्वारा सीएसआर परियोजना हेरिटेज साइट देवबलोदा के विकास और जीर्णोद्धार के लिए बीएसपी हुआ सम्मानित

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। भिलाई इस्पात संयंत्र को 17 जनवरी 2025 को संस्कृति मंत्रालय द्वारा, सीएसआर परियोजना 'हेरिटेज साइट देवबलोदा के विकास और जीर्णोद्धार' के लिए सम्मानित किया गया। केन्द्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत के हाथों नई दिल्ली में एक भव्य समारोह में कार्यपालक निदेशक पवन कुमार और महाप्रबंधक शिवराजन नायर ने इस पुरस्कार को ग्रहण किया। यह भव्य कार्यक्रम न्यू महाराष्ट्र सदन, के.जी. मार्ग, नई दिल्ली में आयोजित किया गया।

भिलाई इस्पात संयंत्र को अपने सीएसआर गतिविधियों के अंतर्गत सांस्कृतिक धरोहर के संरक्षण और संवर्धन के लिए, राष्ट्रीय स्तर के पुरस्कार के लिए चुना गया। राष्ट्रीय संस्कृति निधि (एनसीएफ), संस्कृति मंत्रालय, लोक उद्यम विभाग, वित्त मंत्रालय के सहयोग से 17 जनवरी को ''संस्कृति और विरासत में सीपीएसई के लिए सीएसआर अवसर'' विषय पर आयोजित एक विशेष कार्यक्रम में भिलाई इस्पात संयंत्र को सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर, उन प्रतिष्ठित एनसीएफ भागीदारों को

सम्मानित किया गया, जिन्होंने भारत की सांस्कृतिक धरोहर के संरक्षण और संवर्धन के लिए सीएसआर निधि के माध्यम से योगदान दिया है। इस विशेष सम्मान के लिए सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र का भी चयन किया गया, जो छत्तीसगढ़ के देवबलोदा स्थित राष्ट्रीय धरोहर स्थल के जीर्णोद्धार और विकास के लिए राष्ट्रीय संस्कृति निधि और भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण के साथ साझेदारी में कार्य कर रहा है। कार्यक्रम में उद्घाटन भाषण डॉ. अरुणिश चावला ने दिया, जिसके बाद माननीय संस्कृति मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने अपना उद्घाटन संबोधन दिया। उन्होंने देश के संस्कृति एवं पर्यटन के क्षेत्र में किये जा रहे उल्लेखनीय कार्यों की चर्चा करते हुए, सार्वजनिक क्षेत्र के संस्थान सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र के प्रयासों की सराहना की। कार्यक्रम के अन्य प्रमुख सत्रों में संस्कृति और विरासत के क्षेत्र में 'भागीदार सीपीएसई', सीपीएसई सीएसआर इकोसिस्टम को समझना और संस्कृति और विरासत में इसका योगदान, राष्ट्रीय संस्कृति कोष का अवलोकन-सीएसआर अपॉर्चुनिटी, 'एडॉप्ट ए हेरिटेज स्कीम 2.0' और सीएसआर कैटलिस्ट (उत्प्रेरक) के रूप में संग्रहालयों की भूमिका पर चर्चा की गई। इसके पूर्व भी विगत महीनों भिलाई इस्पात संयंत्र ने विभिन्न पुरस्कार प्राप्त किये हैं। जिसमें बीएसपी की दल्ली मैकेनाइज्ड माइंस ने भुवनेश्वर में 15वां कलिंगा सुरक्षा उत्कृष्टता पुरुस्कार, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और मशीन लर्निंग प्रौद्योगिकियों के अभिनव उपयोग के लिए ''उत्पादकता उत्कृष्टता पुरस्कार'', ''ग्रीनटेक पीसीडब्ल्यूआर अवार्ड्स'', और ''सीआईआई राष्ट्रीय ऊर्जा उत्कृष्टता पुरस्कार'' आदि शामिल हैं।

राष्ट्रीय युवा दिवस पर विशेष: प्रधानमंत्री की इंटर्नशिप योजना के तहत युवाओं को औद्योगिक अनुभव देकर सशक्त कर रही है वेदांता एल्युमिनियम

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। भारत के सबसे बड़े एल्युमिनियम उत्पादक, वेदांता एल्युमिनियम ने भारत के युवाओं को सशक्त बनाने की अपनी प्रतिबद्धता को दोहराते हुए राष्ट्रीय युवा दिवस मनाया। इस अवसर पर कंपनी ने कई बहुआयामी पहलों की घोषणा की, जिसमें भारत सरकार की प्रधानमंत्री (पीएम) इंटर्नशिप योजना, जैसी सरकारी पहलों को समर्थन देना और ग्रामीण युवाओं को प्रगति के अधिक अवसर प्रदान करने के लिए सामाजिक प्रभाव परियोजनाओं को शुरु करना शामिल है।

प्रधानमंत्री इंटर्नशिप योजना के जरिए वेदांता एल्युमिनियम अपने मेगा इंडस्ट्रियल ऑपरेशंस में विद्यार्थियों को महत्वपूर्ण व्यावहारिक औद्योगिक अनुभव प्राप्त करने का अवसर प्रदान कर रही है। वर्तमान में, दुनिया के

सबसे बड़े एल्युमिनियम संयंत्र (झारसुगुडा, ओडिशा) में कंपनी के ऑपरेशनल एरिया में 18 प्रशिक्षुओं को शामिल किया गया है। इसके अलावा, छत्तीसगढ़ के कोरबा में स्थित भारत की आइकॉनिक एल्युमिनियम उत्पादक भारत एल्युमिनियम कंपनी (बाल्को) में 4 प्रशिक्षुओं को शामिल किया गया है।

भारत के सबसे बड़े एल्युमिनियम उत्पादक के तौर पर दोनों संयंत्र अत्याधुनिक तकनीकों और इंडस्ट्री-बैस्ट प्रैक्टिसेस पर अमल करते हैं, जो प्रशिक्षुओं को आधुनिक मैन्युफैक्चरिंग की दुनिया की अनमोल झलक देते हैं। ये प्रशिक्षु वर्तमान में ऑपरेशंस, सस्टेनेबिलिटी और डिजिटल इनोवेशन जैसे अहम व्यावसायिक क्षेत्रों में जारी प्रभावशाली प्रोजेक्ट्स में कार्यरत हैं, जिससे उनके व्यावहारिक कौशल में बढ़ोतरी होगी और वे भावी नेतृत्व भूमिकाओं के लिए तैयार होंगे। पीएम इंटर्नशिप योजना का लाभ ले रही सोनाली दाश ने अपना अनुभव साझा करते हुए कहा, ''वेदांता एल्युमिनियम में इंटर्नशिप से बहुत कुछ सीखने को मिला। इसने मुझे सस्टेनेबिलिटी पर केंद्रित प्रोजेक्ट्स पर काम करने और इंडस्ट्री की ज़रूरतों के बारे में जानकारी हासिल करने का मौका दिया, जिससे मुझे अपने करियर के लिए एक मज़बूत बुनियाद बनाने में मदद मिलेगी। एक अन्य प्रशिक्षु, उज्जल पात्रा ने भी सोनाली के विचारों से सहमती जताते हुए कहा, ''वेदांता एल्युमिनियम में काम करना हमारे ज्ञान को बढ़ाने वाला अनुभव रहा है। लाइव इंडस्ट्रियल प्रोजेक्ट्स में शामिल होने से मुझे थ्योरी और प्रैक्टिकल के बीच के अंतर को समझने का अवसर मिला, साथ ही मेरी टेक्निकल और प्रॉब्लम-सॉल्विंग स्किल में भी वृद्धि हुई। इस पहल पर अपने विचार साझा करते हुए, वेदांता एल्युमिनियम के चीफ ऑपरेटिंग ऑफिसर सुनील गुप्ता ने कहा, ''स्वामी विवेकानंद जी के जन्मदिवस को हम राष्ट्रीय युवा दिवस के रूप में मनाते हैं, उन्होंने हमेशा भारत को अपने युवाओं की असीम क्षमता का उचित उपयोग करने के लिए प्रोत्साहित किया। वेदांता एल्युमिनियम में हम युवाओं के विकास और वृद्धि के लिए अवसर देकर उनकी क्षमताओं को निखारने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

कृष्णा स्कूल के वार्षिकोत्सव में बिखरी कला व संस्कृति की छंटा, पारम्परिक नृत्य के साथ शिक्षाप्रद नाटकों का हुआ मंचन

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। कृष्णा हायर सेकण्डरी स्कूल रामनगर के उत्सव भवन सुंदर नगर में आयोजित वार्षिकोत्सव विविध 2025 में बिखरी कला व संस्कृति की मनोरम छंटा ने दर्शक दीर्घा में मौजूद पालकों व अतिथियों को मंत्रमुग्ध कर दिया। प्री-प्राइमरी से लेकर हायर कक्षाओं के छात्र-छात्राओं ने छत्तीसगढ़ सहित अन्य विभिन्न राज्यों की पारम्परिक नृत्य के साथ शिक्षाप्रद नाटकों का मंचन किया। समारोह का आरंभ बच्चों के दादा-दादी व नाना-नानी द्वारा दीप प्रज्जवलित एवं सरस्वती वंदना के साथ किया गया।

समारोह का मुख्य आकर्षण प्राथमिक बच्चों के द्वारा प्रस्तुत किए गए रंगारंग कार्यक्रम एवं छात्र-छात्राओं द्वारा प्रस्तुत किए शिक्षाप्रद कार्यक्रम एवं भिन्न भिन्न प्रांतों की नृत्य शैली रही। जिसमें छत्तीसगढ़ की बारहमासी, राजस्थान की कलवेरिया, पंजाब की गिद्दा, महाराष्ट्र की गोंदलमाता

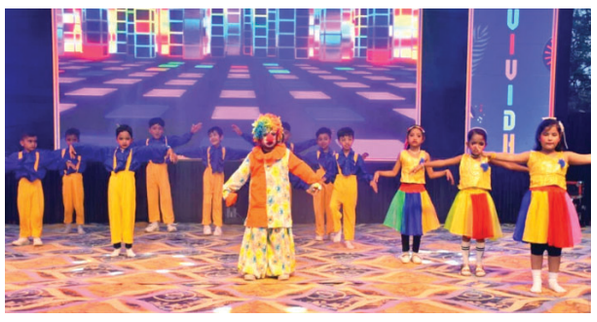

सहित देशभक्ति से ओत-प्रोत नृत्यों की प्रस्तुति ने दर्शक दीर्घा को बांधे रखा। मंचीय प्रस्तुति के माध्यम से बच्चों ने ऑनलाइन ठगी, बेटी बचाओ, सड़क सुरक्षा और अपने बुजुर्गों के प्रति सम्मान का संदेश दिया। राष्ट्रगान के साथ कार्यक्रम को अंतिम रूप दिया गया। समापन एवं पुरस्कार वितरण समारोह के मुख्य अतिथि वैशाली नगर विधायक रिकेश सेन की धर्मपत्नी ऋचा सेन, मिस्ट्रेस इंडिया 2024 गीत सोन एवं समाजसेवी इंद्रजीत सिंह छोटू ने बच्चों की प्रस्तुति की खूब सराहना की। अतिथियों के माध्यम से शैक्षणिक एवं खेल गतिविधियों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्र छात्राओं को पुरस्कृत एवं उनके पालकों का सम्मान किया गया।

आयोजन को सफल बनाने में सभी शिक्षक शिक्षिकाओं एवं वालिंटियर की भूमिका निभा रहे विद्यार्थियों का अहम योगदान रहा। विद्यालय की डायरेक्टर जसलीन कौर ने अपना पूरा सहयोग प्रदान कर कार्यक्रम को सफल बनाया। प्राचार्या रंजीत कौर ने सफल आयोजन के लिए सभी शिक्षक-शिक्षिकाओं, छात्र-छात्राओं की मेहनत और टीमवर्क की सराहना की एवं बधाई दी।

एनटीपीसी को जल प्रबंधन के लिए मिला अवार्ड

कोरबा। एनटीपीसी कोरबा गर्वपूर्वक यह घोषणा करता है कि उसके कोरबा सुपर थर्मल पावर स्टेशन को सीईई नेशनल पावर जेन वॉटर मैनेजमेंट अवॉर्ड 2025 में सस्टेनेबल ऑपरेशनल दृ पब्लिक सेक्टर श्रेणी में सम्मानित किया गया है। इस संयंत्र को सर्वश्रेष्ठ राष्ट्रीय जल दक्ष संयंत्र के रूप में भी मान्यता दी गई है, जो जल प्रबंधन में इसकी असाधारण प्रदर्शन और उत्कृष्ट उपलब्धियों को दर्शाता है।

यह प्रतिष्ठित पुरस्कार एनटीपीसी कोरबा की सतत और कुशल संसाधन प्रबंधन के प्रति अटूट प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है। कोरबा सुपर थर्मल पावर स्टेशन ने ऊर्जा क्षेत्र में अभिनव और पर्यावरण-अनुकूल जल प्रबंधन प्रथाओं के लिए एक मानक स्थापित किया है, जो स्थायी संचालन में एनटीपीसी की नेतृत्व क्षमता को दर्शाता है। यह सम्मान एनटीपीसी कोरबा की जल संरक्षण की महत्वपूर्ण चुनौतियों का समाधान करने और साथ ही कुशल बिजली उत्पादन सुनिश्चित करने की प्रतिबद्धता का प्रमाण है। यह संगठन के भारत को विश्वसनीय और पर्यावरणीय रूप से टिकाऊ ऊर्जा प्रदान करने के मुख्य मिशन के साथ मेल खाता है। इस अवसर पर, एनटीपीसी कोरबा के नेतृत्व ने इस मान्यता के लिए सीईई अवार्ड्स कमेटी के प्रति आभार व्यक्त किया। इस उपलब्धि पर बोलते हुए, मुनेश कुमार विश्वकर्मा, डीजीएम ने कहा, यह पुरस्कार एनटीपीसी परिवार, विशेष रूप से कोरबा सुपर थर्मल पावर स्टेशन की समर्पित टीम के लिए एक गर्व का क्षण है।

चौरसिया ज्वेलर्स
आकर्षक सोने चांदी के आभूषणों के निर्माता एवं विक्रेता
बेन्टेक्स एवं ग्रहरत्न उपलब्ध यहां
उचित ब्याज दर पर गिरवी रखी जाती है
मुक्तिधाम रोड, रामनगर, सुपेला, भिलाई
9827938211, 9827171332

Jaquar Roca Parryware AJAY FLOWLINE
Shri Vijay Enterprises
Sanitarywares, Tiles, CPVC Pipes & Bathroom Fittings etc.
Supela Market, Bhilai
PH. 0788-4030909, 2295573

CAR DECOR
House Of Exclusive Seat Cover, Car Stereos Matting & Sun Control Film & Other Accessories
Shop No.3 Nafish Tower. Opp. Indian Coffee House, Akashganga, Bhilai
Mo.9300771925, 0788-4030919
K. Satyanarayan

ॐ SAIRAM
Mobile Accessories
मोबाईल शॉप में कार्य करने हेतु लड़को की आवश्यकता है
7000415602
Shop No. 78, Himalaya Complex, Supela, Bhilai

ROCKEY INDUSTRIES
FURNITURE PALACE
Deals in: (Steel & Wooden) Luxury & Imported Furniture
Akash Ganga, Supela, Bhilai Ph. 2296430

दास गार्मेन्ट्स
जींस, शर्ट, टी-शर्ट, फ्राक सूट, फ्राक, फैंसी सलवार सूट एवं किट्स वियर,अंडर गारमेन्ट्स, गाउन के लेटेस्ट कलेक्शन
एक बार अवश्य पधारें
गणेश मार्केट, गुरुद्वारा, रोड सुपेला, भिलाई, 7828248067

Ashok
JEWELLERY
Gifts ● Toys ● Cosmetics
Perfumes ● Sia Jewellery
Beside Parakh Jewellers, Akash Ganga, Supela, Bhilai
Hello: 0788-4052727
Mukesh Jain 9009959111
Rishabh Jain 8103831329

खास खबर

तिरंगा चौक के पास मकान में लगी आग, फायर ब्रिगेड ने तत्परता से बुझाया आग

जगदलपुर। तिरंगा चौक में रविवार सुबह एक मकान में आग लग गई। उस मकान के पास रहने वाली एक नगर सेना की महिला सैनिक ने फायर ब्रिगेड को आग लगने की सूचना दी। सूचना मिलते ही तत्काल फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंचकर घंटो की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया।

मिली जानकारी के अनुसार तिरंगा चौक निवासी जय कुमार झाली के घर से अचानक धुंआ निकलता देखकर आस-पास के लोगों को आग लगने की जानकारी मिली। साथ ही परिवार के लोग स्वयं ही घर के बाहर निकलकर आग लगने की जानकारी देते हुए बताया कि किचन में दो सिलेंडर रखे हुए हैं। इसके बाद घटना की जानकारी पड़ोसी महिला नगर सैनिक अरूसा बघेल द्वारा फायर बिग्रेड को दी गई। इसके बाद जब टीम मौके पर पहुंची तो गली छोटी होने के कारण वाहन अंदर नहीं जा सका। ऐसे में वाहन को सड़क पर खड़ा कर पाइप मकान के अंदर तक पहुंचकर घंटो की मशक्कत के बाद आग को बुझा दिया गया, आगजनी के कारण अज्ञात है।

ट्रक ने रौंदा, घायल युवक की इलाज के दौरान मौत

रायगढ़। काम की तलाश में खरसिया का रहने वाला गजेंद्र (27) 16 जनवरी को दोस्तों के साथ ट्रेन में तिल्दा गया था। काम मिलने के बाद तिल्दा में रहने वाले रिश्तेदार का बाइक लेकर शाम को वापस खरसिया आ रहा था। इसी दौरान बीएनडी चौक तिल्दा के पास सामने से आ रही ट्रक ने उसे चपेट में लिया। जिससे युवक सिर व अन्य जगह गंभीर चोट लगी थी।

जिसे रायपुर के बड़े हॉस्पिटल में भर्ती किया गया। जिसके बाद उसे रायगढ़ रेफर कर परिजन ले आए। जहां इलाज के दौरान 17 जनवरी को यहां भर्ती कराया गया। दो दिन चले इलाज के बाद रविवार को उसकी मौत हो गई। सूचना के बाद जुटमिल पुलिस मर्ग दर्ज कर पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया है।

अलाव के पास बैठे बुजुर्ग की मौत

जगदलपुर। एक बुजुर्ग घर में ही जिंदा जल गया है। बताया जा रहा है कि, वो अलाव जलाकर बैठा था। जिससे पहले आग उसके कपड़े पर लगी, फिर आधा शरीर जलकर खाक हो गया। उसके घुटने से नीचे पैर का कुछ हिस्सा ही बचा है। मामला बोधघाट थाना क्षेत्र का है।

दरअसल, बुजुर्ग शिव शंकर यादव (64) जगदलपुर के गंगानगर वार्ड क्रमांक-23 के रहने वाले थे। घर पर अकेले रहते थे। रविवार को उन्होंने अपने घर पर अलाव जलाकर रखा था। वे शॉल भी ओढ़े थे। इस दौरान अचानक उनके कपड़े में आग लग गई। जिससे उनका शरीर जल गया। वे बेसुध होकर नीचे गिर गए। इस हादसे में उनका शरीर जल गया। आग की लपटें इतनी थी कि आस-पास में रखा सामान भी जल गया। जिसके बाद आग की लपटें फैली और घर से धुआं उठने लगा। वहीं, आस-पास के लोगों ने जब धुआं देखा तो तत्काल मौके पर पहुंचे थे।

भिलाई में बिक रहा था गो-मांस, बजरंगियों ने स्टिंग कर भांडा फोड़ा, इधर एक युवक ने कर ली खुदकुशी

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। सुपेला थाना क्षेत्र में रविवार को गो-मांस बिक्री का मामला सामने आया। यहां के तीन घरों में चोरी छिपे गो-मांस बेचे जाने की जानकारी बजरंग दल के लोगों को मिली। बजरंग दल के लोगों ने अपने ही एक कार्यकर्ता को ग्राहक बनाकर भेजा तो पूरा भांडा फूटा। इसके बाद जमकर हंगामा हुआ। मोहल्ले वालों ने भी इसका विरोध जताया। इधर इस बीच एक युवक ने फांसी लगा ली। मृतक के परिजनों का कहना है कि उसने बजरंग दल के लोगों के डर से खुदकुशी कर ली।

मिली जानकारी के अनुसार यह पूरा मामला सुपेला थाना क्षेत्र के हड्डी गोदाम के पास का है। यहां तीन घरों में गौमांस मिला है। बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने बताया कि उन्हें लंबे समय से ऐसी जानकारी मिल रही थी कि यहां चोरी छिपे गो-मांस बेचा जा रहा है। रविवार को बजरंग दल का एक सदस्य खुद ग्राहक बनकर शिव मंदिर के पास पहुंचे। रविवार को यहां उन्होंने गौ-मांस खरीदा तब जाकर इसकी सच्चाई सामने आई। इसके बाद इसका विरोध शुरू हुआ। बजरंग दल के आने की खबर मिलते ही गो-मांस बेचने वाले फरार हो गए। खबर मिलते ही सुपेला पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

गो-मांस खरीदने वाले युवक ने लगाई फांसी

इधर इस घटना के बाद यहां रहने वाले एक युवक लोकेश सोनी ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। बताया जा रहा है कि लोकेश सोनी (22) गौ-मांस खरीदकर लाया था। अचानक से बजरंग दल के लोगों का विरोध देखकर लोकेश काफी डर गया और वो घर के अंदर जाकर कमरा बंद कर दिया। इससे पहले की कोई कुछ समझ पाता उसने आत्महत्या कर ली। फिलहाल सुपेला पुलिस इस पूरे मामले की जांच कर रही है।

मंदिर के पास नजर आई बाघिन

बिलासपुर (ए.)। जलेश्वर धाम में बाघिन की मौजूदगी ने स्थानीय निवासियों और दुकानदारों में भय और चिंता का माहौल पैदा कर दिया है। सीसीटीवी फुटेज में बाघिन को दुर्गा मंदिर और अन्नपूर्णा मंदिर के आसपास देखा गया, जो जंगल से सटे इस क्षेत्र में वन्यजीवों की मौजूदगी का संकेत देता है। बाघिन ने कुत्ते और गाय का शिकार किया, जिससे ग्रामीण सतर्क हो गए और वन विभाग को सूचित किया। वन विभाग ने त्वरित कार्रवाई करते हुए निगरानी बढ़ाई है और बाघिन की गतिविधियों पर नजर रखी जा रही है। अधिकारियों ने बताया कि बाघिन अपने शिकार के पास रहती है जब तक कि वह पूरी तरह से उसे खा न ले। मरवाही वन मंडलाधिकारी रौनक गोयल ने ग्रामीणों और आगंतुकों को सतर्क रहने की सलाह दी है।

बताया जा रहा है कि यह वही गर्भवती बाघिन है जो बांधवगढ़ से मरवाही वन मंडल में पिछले दिनों देखी गई थी। इसके बाद वह अचानकमार अभयारण्य (एटीआर) के अंतर्गत लमनी के पास देखी गई। फिर यह एटीआर से निकलकर भनवारटंक पहुंच गई थी। नए साल पर उसकी मौजूदगी को लेकर यहां आने वाले मरही माता मंदिर दर्शन के लिए आने वाले पर्यटकों को सतर्क किया गया था। इसके बाद वह अमरकंटक की तराई पर देखी गई।

भालू के हमले से पिता-पुत्र की हुई मौत, दो अन्य घायल

श्रीकंचनपथ न्यूज

कांकेर। भानुप्रतापपुर वन क्षेत्र के डोंगरकट्टा गांव के पास जंगल में तीन ग्रामीण शनिवार को लकड़ी लेने जंगल गए थे, इसी दौरान अचानक भालू ने उन पर हमला कर दिया। भालू के हमले से पिता-पुत्र शंकर दरों और सुकलाल दरों की मौत हो गई, वहीं दो अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। भालू काफी आक्रामक हो गया था, जिसके कारण जंगल से कई घंटों के बाद मृतक के शव को निकाला जा सका। इस घटना के बाद रात भर गांव के पास ड्रोन कैमरे से निगरानी की गई। भालू के खतरे को देखते हुए वन विभाग की टीम ने लोगों को गांव से बाहर जाने से मना किया था, घरों के बाहर आग जलाने की व्यवस्था की गई थी। गांव के आस-पास पिंजरा लगाकर नाइट ड्रोन की मदद से निगरानी की गई। जिसके बाद रविवार को भालू को वन विभाग की टीम ने पकड़ लिया है। भानुप्रतापपुर विधायक सावित्री मंडावी ग्राम डोंगरकट्टा पहुंची और मृत परिवार के परिजनों का ढांढस बंधाया। ग्रामीणों ने विधायक से बिजली नहीं होने की शिकायत की जिस पर विधायक ने बिजली विभाग के कर्मचारियों को फटकार लगाई है।

जंगल सफारी रायपुर से पहुंचे डॉ. राकेश वर्मा ने कहा कि ऐसी घटना भालू के मानसिक स्वास्थ्य बिगड़ने से होता है। भालू को रेबीज होने की संभावना है, रात में ड्रोन की मदद से भालू पर निगरानी रखी गई। जिसे वन विभाग की टीम ने पकड़ लिया है। उन्होने बताया कि भालू को अस्पताल पहुंचाया जाएगा। भालू के स्वस्थ होने पर ही दूसरे जंगलों में उसे छोड़ा जाएगा।

प्राप्त जानकारी के अनुसार जब वन विभाग की टीम मृतकों का शव लेने मौके पर पहुंची, तब भालू ने दोबारा हमला कर दिया। इस दूसरे हमले में डिप्टी रेंजर नारायण यादव गंभीर रूप से घायल हो गए, नारायण यादव को दबोचकर भालू नोंचता रहा, जिसका वीडियो अब सामने आया है। वन विभाग की टीम ने घंटों इंतजार के बाद भालू के कब्जे से शव को जंगल से निकाला गया। शंकर दरों और सुकलाल दरों के शव क्षत-विक्षत हालत में मिले हैं। पोस्टमॉर्टम के बाद आज रविवार को मृतक पिता-पुत्र के शव को परिजनों को सौंप दिया है।

ग्रामीणों से मिली जानकारी के अनुसार शनिवार सुबह करीब 11 बजे जंगल में अज्जू कोरेटी पर भालू ने हमला किया। युवक पर भालू को हमला करता देख पास मौजूद बुजुर्ग शंकर दरों ने बचाने का प्रयास किया। भालू ने शंकर को अपने करीब आता देख उस पर भी हमला कर दिया, जिससे उसकी भी मौत हो गई। भालू के पहले शिकार बने युवक अज्जू कुमार कोरेटी के सिर पर गंभीर चोटें आई हैं। जिसका कांकेर जिला अस्पताल में इलाज जारी है। वहीं डिप्टी रेंजर नारायण यादव के सिर और कंधे में चोटें आई हैं, उनका रायपुर में इलाज चल रहा है। डॉक्टर्स के अनुसार दोनों की हालत नाजुक है। इसकी सूचना मिलने पर शंकर के बेटे के साथ गांव के करीब 100 लोग घटनास्थल पर पहुंच गए। पिता के करीब पहुंचे सुकलाल दरों पर भी भालू ने हमला कर दिया।

दुर्ग रेलवे स्टेशन में पकड़े गए सैफ पर हमले के संदेही को मुंबई पुलिस ने छोड़ा, कहा- वह आरोपी नहीं

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। अभिनेता सैफ अली खान पर हमले के मामले में दुर्ग से गिरफ्तार संदिग्ध आकाश कैलाश कनौजिया को मुंबई पुलिस ने लंबी पूछताछ के बाद रेलवे स्टेशन ले जाकर छोड़ दिया है। मुंबई पुलिस ने कहा कि वह आरोपी नहीं है। वहीं मीडिया से चर्चा के दौरान संदेही बताए गए आकाश कनौजिया ने कहा कि मैंने कुछ भी गलत नहीं किया। मुझे पूछताछ के लिए यहां लाया गया था और अब मुझे रिहा कर दिया गया है। मैं आरोपी नहीं हूं।

बता दें सैफ अली खान पर हमले के मामले में शनिवार को दुर्ग रेलवे स्टेशन पर शनिवार को एक संदिग्ध को पकड़ा गया। दुर्ग आरपीएफटीआई एसके सिन्हा ने बताया कि मुंबई पुलिस से एक फोटो भेजा गया था। मुंबई पुलिस से इनपुट मिला कि आकाश नाम का यह शख्स दुर्ग की ओर ट्रेन से निकला है। यह नहीं पता था कि किस ट्रेन में हैं। इसके बाद दुर्ग रेलवे स्टेशन पर मुंबई से आने वाली सभी ट्रेनों की तलाशी ली गई। इस दौरान ज्ञानेश्वरी एक्सप्रेस के जनरल डिब्बे से संदिग्ध को उतारा गया है। इधर मुंबई पुलिस की टीम देर रात दुर्ग पहुंची। मुंबई पुलिस की टीम फ्लाइट से रवाना हुई थी और रात 8 बजे रायपुर एयरपोर्ट पहुंचने के बाद देर रात लगभग 11 बजे दुर्ग पहुंची।

दुर्ग पहुंचने के बाद मुंबई पुलिस ने संदिग्ध आकाश को हिरासत में लिया। वहीं इस दौरान मुंबई पुलिस के जवान मीडिया के सामने कुछ भी कहने से बचते रहे। इसके बाद मुंबई पुलिस ने संदेही आकाश कैलाश कनौजिया से देर रात तक पुछताछ की। बांद्रा क्राइम ब्रांच के सब इंस्पेक्टर प्रदीप फुंडे ने मीडिया से चर्चा के दौरान रविवार को कहा कि पूछताछ की प्रक्रिया पूरा कर ली गई है। वह आरोपी नहीं है, हम उसे मुंबई नहीं ले जा रहे हैं। हम उसे रेलवे स्टेशन पर ही छोड़ देंगे।

जानिए क्या है पूरा मामला

मुंबई में एक्टर सैफ अली खान पर बुधवार देर रात उनके घर में घुसकर चाकू से हमला किया गया था। घटना मुंबई के खार स्थित गुरु शरण अपार्टमेंट के 12वें फ्लोर पर बुधवार देर रात करीब 2.30 बजे हुई। इस हमले में एक्टर को गले, पीठ, हाथ और सिर समेत 6 जगह चाकू लगा था। घायल सैफ को रात में ही लीलावती हॉस्पिटल ले जाया गया था, जहां उनका इलाज चल रहा है। फिलहाल सैफ अली खान खतरे से बाहर है।

युवक ने 112 को तबीयत खराब होने की दी सूचना, मदद पहुंचने से पहले हुई मौत

श्रीकंचनपथ न्यूज

जगदलपुर। जिले के राष्ट्रीय राजमार्ग 30 में अपनी कार से रायपुर से जगदलपुर ओर आ रहे एक युवक की अचानक तबियत खराब हो गई, के भानपुरी अस्पताल के पास उसने अपनी कार रोकर इसकी सूचना डॉयल 108 तथा 112 दी , लेकिन उस युवक तक मदद पहुंच पाती उससे पहले ही उसकी कार के अंदर ही मौत हो गई। मृतक युवक की पहचान जगदलपुर के तेतर कुटी निवासी हिमांशु झा उम्र 27 वर्ष के रूप में हुई है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार रविवार सुबह 5:30 बजे हिमांशु झा अपनी कार से रायपुर से जगदलपुर ओर आ रहे थे। इसी दौरान अचानक युवक हिमांशु झा की तबीयत खराब होने से उसने अपनी कार सिविल अस्पताल भानपुरी के पास रोककर उसने 108 और 112 को फोन लगाकर अचानक तबीयत खराब होने की जानकारी दी, लेकिन 108 तथा 112 की मदद युवक तक पहुंचने से पहले उनकी मौत हो चुकी थी। मृतक युवक हिमांशु झा के अपनी तिबयत खराब होने की सूचना पर मौके पर पहुंची 112 वाहन कर्मचरियों ने कार का कांच फोड़ कर युवक को बाहर निकाला और सिविल अस्पताल भानपुरी ले गये जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।भानपुरी पुलिस ने कार्यवाही उपरांत मृतक युवक के शव को पोस्टमार्टम के लिए मेकॉज भिजवा दिया है।

भिलाई में कोक व्यापारी को मुंबई के कारोबारी ने लगाया चूना

श्रीकंचनपथ न्यूज

कोक खरीदकर 14 लाख से ज्यादा की राशि ठगी

भिलाई। खुर्सीपार थाना क्षेत्र के अंतर्गत जोन-3 खुर्सीपार में रहने वाले एक कोक व्यापारी को मुंबई के कारोबारी ने विश्वास में लेकर लाखों का चूना लगाया। ठाने मुंबई के कारोबारी ने खुर्सीपार के व्यापारी से 30 लाख से ज्यादा का कोयला खरीदा। समय समय पर भुगतान भी किया। इसके बाद लगभग 14 लाख से ज्यादा की रकम होल्ड कर दी। इस मामले में व्यापारी की शिकायत पर खुर्सीपार पुलिस ने मुंबई के कारोबारी के खिलाफ धारा 406-IPC, 420-IPC के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

खुर्सीपार पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार मां काली ट्रेडर्स के प्रोपराइट शंभुजी जिनका ऑफिस आनंद भवन मेहता चाल, आर नं.24, नेताजी सुभाष नगर घाटकोपर जेएमएम रोड असलफा वेस्ट (महाराष्ट्र) में है। उनके द्वारा ऋषभ इंटरप्रायजेस के प्रोपराइटर ऋषभ सिंह निवासी एसपीए, 2ए, जोन-3 खुर्सीपार के साथ कोयला व्यापार के लिए डील हुई। ऋषभ सिंह का ट्रेडिंग व कोक का व्यवसाय हैं तथा 10 वर्षों से एक दुसरे के साथ व्यवसाय कर रहे हैं। दोनों के कंपनियों के बीच कोक का लेन देन चलता है।

इस बीच शंभु जी को अपने व्यवसाय के लिए कोक की आवश्यकता थी तो ऋषभ सिंह से सम्पर्क किया। ऋषभ सिंह उक्त कोक देने में समर्थता जाहिर की तथा दोनों के बीच आपस में कोक का रेट तय हुआ। उसके बाद शंभुजी द्वारा कहा गया कि आप जरूरत के हिसाब से आवेदक से कोक मंगाते जायेगें तथा जिस भी रकम में कोक उपलब्ध होगा उसी हिसाब से पेमेन्ट कुछ दिनो के अंदर कर दी जाएगी। शंभुजी द्वारा ऋषभ सिंह से दिनांक 19 दिसंबर 2021 से लेकर 08 फरवरी 2023 तक जो माल मंगाया गया वह माल आवेदक के द्वारा अपने पास से ट्रान्सपोर्टर न्यु शालीमार ट्रान्सपोर्ट के द्वारा वाहनों से अनावेदक के बताये अनुसार स्थान मां काली ट्रेडर्स एम.8688 पिम्परी दईसर एकता मार्केट मुम्बरा पनवेल रोड़, जिला ठाने मुम्बई (महाराष्ट्र) भेजा गया। माल कंपनी को मिल गया। मां काली ट्रेडर्स को कुल 30 लाख 99 हजार 680 रुपए का कोक दिया गया।

इसके एवज में अलग अलग तिथियों में मां काली ट्रेडर्स द्वारा 13 लाख का भुगतान किया गया। शेष रकम 17,99,680 रुपए होल्ड कर दिया। ऋषभ सिंह द्वारा 8 फरवरी 2023 को अंतिम बार कोक दिया गया। अंतिम भुगतान 27 मार्च 2023 को किया गया था उसके बाद भुगतान रोक दिया गया। इसके बाद भुगतान के लिए ऋषभ सिंह द्वारा मां काली ट्रेडर्स से प्रोपराइटर शंभु जी से कई बार फोन से सम्पर्क किया। लगातार रकम देने के लिए टाल मटोल करता रहा। तंग आकर ऋषभ सिंह ने अधिवक्ता के माध्यम से मां काली ट्रेडर्स को लीगल नोटिस भेजा गया।

नोटिस के माध्यम से उनसे कहा गया कि रकम वापस नहीं करने पर लीगल एक्शन लिया जाएगा। नोटिस मिलने के बाद मां काली ट्रेडर्स के प्रोपराइटर शंभुजी द्वारा 19 सितंबर 2024 को 2 लाख रुपए, 25 सितंबर 2024 को 1 लाख तथा 8 अक्टूबर 2024 को 72 हजार 939 रुपए आरटीजीएस के माध्यम से भुगतान किया। इसके बाद शेष बची राशि 14,26,741 रुपए आज दिनांक तक नहीं दिया। शेष राशि के लिए ऋषभ सिंह द्वारा कई बार कॉल किया गया लेकिन कोई जवाब नहीं मिला। इस शिकायत के बाद खुर्सीपार पुलिस ने अपराध दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की घोषणा

सिंचाई पम्प के लिए नि:शुल्क विद्युत सहायता योजना का नाम अब डॉ खूबचंद बघेल किसान विद्युत सहायता योजना होगा

मुख्यमंत्री साय ने सारंगढ़-बिलाईगढ़ जिले को दी 137.41 करोड़ के विकास कार्यों की सौगात

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ सरकार 15 फरवरी तक धान खरीदी के मूल्य के अंतर की राशि किसानों को एकमुश्त देगी। इसका निर्णय आज केबिनेट की बैठक में ले लिया गया है। इसका लाभ राज्य के लगभग 27 लाख किसानों को होगा। मुख्यमंत्री श्री साय ने आज सारंगढ़-बिलाईगढ़ जिला मुख्यालय में विकास कार्यों के लोकार्पण शिलान्यास समारोह को संबोधित करते हुए यह बात कही। उन्होंने इस अवसर पर किसानों के सिंचाई विद्युत पंप सहायता योजना का नाम डॉ. खूबचंद बघेल किसान विद्युत सहायता योजना करने की घोषणा भी की। मुख्यमंत्री ने सारंगढ़-बिलाईगढ़ जिले को 137.41 करोड़ रूपए के विकास कार्यों की सौगात दी, जिसमें 47.87 करोड़ के 84 कार्यों का लोकार्पण और 89.54 करोड़ रूपए के भूमिपूजन कार्य शामिल है। मुख्यमंत्री श्री साय ने 38 करोड़ रूपए की लागत से सारंगढ़ में जिला अस्पताल का निर्माण व 18.75 करोड़ की लागत से बनने वाले संयुक्त जिला कार्यालय भवन के निर्माण कार्य का भूमिपूजन किया।

मुख्यमंत्री श्री साय ने इस अवसर पर सारंगढ़-बिलाईगढ़ में उद्योग स्थापना के लिए जमीन आबंटन, डेढ़ करोड़ की लागत से सारंगढ़ मुख्य मार्ग चौड़ीकरण, सरिया में 50 सीटर छात्रावास भवन, सारंगढ़ में उच्च स्तरीय विश्राम गृह भवन निर्माण, कोसीर के प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र का सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में उन्नयन की भी घोषणा की। मुख्यमंत्री ने विभागीय स्टॉलों का निरीक्षण कर हितग्राहियों को शासन के विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत सहायता राशि के चेक व सामग्री प्रदान की।

मुख्यमंत्री श्री साय ने अपने उद्बोधन में कहा कि 20 वर्षों तक सारंगढ़ मेरी कर्मभूमि रही है। अब मुख्यमंत्री के रूप में सारंगढ़-बिलाईगढ़ सहित छत्तीसगढ़ के विकास की जिम्मेदारी को पूरा करने का कार्य लगातार कर रहे हैं। हमने बीते एक साल में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी की गारंटी को पूरा करने का काम किया है। प्रधानमंत्री आवास योजना अंतर्गत आवासों के निर्माण में तेजी आई है। पहली कैबिनेट बैठक में 18 लाख आवासों की स्वीकृति दी गई है। पहले चरण में 8.47 लाख आवास निर्माण को स्वीकृति मिली थी। इनमें से कई हितग्राहियों के आवास पूर्ण हो गए हैं और अब वे गृह प्रवेश कर रहे है। केंद्रीय पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान के छत्तीसगढ़ आगमन पर उन्होंने 3 लाख 88 हजार अतिरिक्त आवास की स्वीकृति दी है। आगामी अप्रैल माह में राज्य को 3 लाख आवासों की स्वीकृति और मिलेगी। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि राज्य में आवास प्लस के सर्वे का काम भी शुरू कर दिया है। पीएम आवास के लिए पात्रता का दायरा बढ़ाया गया है। अब जिनके पास दो पहिया वाहन है, 2.5 एकड़ सिंचित भूमि अथवा 5 एकड़ असिचिंत भूमि, 15 हजार तक की मासिक आमदनी वालों को भी आवास मिलेगा। आवास स्वीकृति की प्रक्रिया को सरल बनाने ऑनलाइन ऐप लॉन्च किया गया है। इससे किसी भी व्यक्ति द्वारा घर बैठे ही आवेदन किया जा सकेगा। राज्य सरकार महतारी वंदन योजना में माताओं और बहनों को एक हजार रुपए की राशि प्रतिमाह दे रही है। उन्होंने कहा कि सारंगढ़ के दानसरा की माताएं और बहनें इस राशि से राममंदिर बनवा रही हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में पंडित दीनदयाल भूमिहीन कृषि श्रमिक योजना के तहत 5 लाख 62 हजार भूमिहीन कृषि श्रमिक लाभान्वित होंगे। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने पूरे देश में 50 हजार गांवों के 65 लाख ग्रामीणों को स्वामित्व कार्ड प्रदान किया। इससे कई पीढ़ियों से ग्रामीण क्षेत्रों में आबादी भूमि में निवास कर रहे लोगों को अधिकार पत्र मिल रहा है। छत्तीसगढ़ के दस जिलों में 61 हजार लोगों को स्वामित्व कार्ड वितरण किया गया है। पीएससी घोटाले के दोषियों को सजा दिलाने का कार्य कर रहे हैं। इससे प्रदेश के युवाओं का विश्वास परीक्षा प्रणाली में फिर से लौटा है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा 144 सालों बाद पूर्ण महाकुंभ का संयोग बना है। छत्तीसगढ़ के श्रद्धालुओं के लिए प्रयागराज महाकुंभ में साढ़े चार एकड़ में विशाल छत्तीसगढ़ मंडप बनाया गया है। यहां छत्तीसगढ़ के निवासियों के लिए नि:शुल्क भोजन एवं ठहरने की व्यवस्था है। मुख्यमंत्री साय ने जिलेवासियों को महाकुंभ में सहभागी बनने का न्यौता दिया। उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने कहा कि हम लगातार प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की गारंटी को पूरा करने का काम कर रहे हैं। राज्य सरकार ने गांव से लेकर शहर तक विकास कार्यों को गति देने का काम कर रही हैं। 3100 रूपये में धान खरीदी हो रही है। महतारी वंदन का पैसा हर महीने मिल रहा है। आवास का निर्माण तेजी से हो रहा है। किसानों को 2 साल का बकाया बोनस दिया गया है।

राजस्व मंत्री टंकराम वर्मा ने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में पिछले एक साल में लगातार विकास के कार्य हो रहे हैं। कार्यक्रम को सांसद राधेश्याम राठिया एवं कमलेश जांगड़े ने भी संबोधित किया। इस अवसर पर विधायक सारंगढ़ उत्तरी गनपत जांगड़े, विधायक बिलाईगढ़ कविता प्राण लहरे, पूर्व विधायक शमशेर सिंह, केराबाई मनहर, कामदा जोल्हे, ज्योति पटेल, जगन्नाथ पाणिग्राही सहित अन्य जनप्रतिनिधि बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

स्वास्थ्य से समृद्धि के मंत्र से ही आगे बढ़ रही है छत्तीसगढ़ की विकास यात्रा - मुख्यमंत्री साय

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। हमारा राज्य अपनी स्थापना का रजत जयंती वर्ष मना रहा है। हम विकसित छत्तीसगढ़ की ओर कदम बढ़ा चुके हैं। छत्तीसगढ़ की विकास यात्रा स्वास्थ्य से समृद्धि के मंत्र से ही आगे बढ़ रही है। आज छत्तीसगढ़ मेडिकल टूरिज्म का बड़ा केंद्र बन रहा है। एक समय था जब कई गंभीर बीमारियों के उपचार के लिए लोग दिल्ली-मुंबई जाते थे। आज गंभीर से गंभीर बीमारियों का उपचार रायपुर शहर के सेवाभावी डॉक्टर कर रहे हैं। हार्ट और किडनी ट्रांसप्लांट से लेकर कैंसर जैसी बीमारियों का अत्याधुनिक तकनीक से उपचार रायपुर के अस्पतालों में हो रहा है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने आज इंडियन मेडिकल एसोसिएशन के शपथ ग्रहण समारोह के दौरान यह बात कही।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि राज्य सरकार नागरिकों को बेहतर से बेहतर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने के लिए हर संभव प्रयास कर रही है।प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र से लेकर जिला अस्पतालों में चिकित्सा व्यवस्था को मजबूत करने के लिए बेहतर संसाधन, आवश्यक अधोसंरचना विकसित उपलब्ध कराने के साथ - साथ डॉक्टरों और चिकित्सा स्टाफ की भर्ती की जा रही है । हमारी सरकार ने राज्य में स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार के लिए आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के साथ ही शहीद वीरनारायण सिंह स्वास्थ्य योजना लागू की है।आयुष्मान योजना के तहत गरीब परिवारों और 70 वर्ष से अधिक आयु के सभी वर्गों के नागरिकों को पांच लाख रुपए तक के नि:शुल्क इलाज तथा एपीएल परिवारों को 50 हजार रुपए तक के नि:शुल्क इलाज की सुविधा दी जा रही है। इसके अलावा जटिल रोगों के इलाज के लिए मुख्यमंत्री सहायता कोष से भी सहायता दी जा रही है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ में 10 शासकीय और 4 निजी मेडिकल कालेजों सहित कुल 14 मेडिकल कॉलेज हैं।

राज्य में चार नये मेडिकल कॉलेजों के भवनों का निर्माण किया जा रहा है। जांजगीर चांपा, कबीरधाम, मनेंद्रगढ़ और गीदम में मेडिकल कॉलेज बनने से स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार होगा।विदेशों से भी बड़ी संख्या में लोग इलाज के लिए छत्तीसगढ़ आ रहे हैं। यह हमारे लिए गर्व की बात है। उन्होंने कहा कि आईएमए जैसे संगठन चिकित्सकों की आवाज़ बनने के साथ डॉक्टर और मरीज के बीच संबंधों को और मजबूत बनाने में अहम भूमिका निभा सकते हैं।

स्वास्थ्य मंत्री श्री श्याम बिहारी जायसवाल ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ में स्वास्थ्य सेवाओं को सुगम एवं सुदृढ़ बनाने का काम किया जा रहा है। चिकित्सकगणों के सहयोग और समर्पण से ही हम चिकित्सा के क्षेत्र में छत्तीसगढ़ को नए मुकाम पर ले जाने में सफल होंगे। उन्होंने कहा कि राज्य के मेडिकल कॉलेजों में चिकित्सा सुविधा को बेहतर बनाने के लिए सरकार ने वित्तीय अधिकारों में वृद्धि की है। उन्होंने चिकित्सा सेवा एवं चिकित्सा शिक्षा के क्षेत्र में राज्य की उपलब्धियों पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए कहा कि सिकलसेल की स्क्रीनिंग में छत्तीसगढ़ देश का अग्रणी राज्य है। यहां एक करोड़ 29 लाख लोगों की स्क्रीनिंग की गई है। राज्य में सिकल सेल अनुसंधान संस्थान की स्थापना और बोन मेरो ट्रांसप्लांट की सुविधा शुरू होगी। इसके लिए 48 करोड़ रूपए की स्वीकृति दी गई है। उन्होंने आईएमए रायपुर को विश्वास दिलाया कि सरकार चिकित्सकों और जनहित के कामों में हरसंभव सहयोग प्रदान करेगी। कार्यक्रम को पूर्व विधायक डॉ. विमल चोपड़ा ने भी संबोधित किया।

आईएमए के नवनिर्वाचित अध्यक्ष डॉ. कुलदीप सोलंकी ने राज्य में चिकित्सा सेवा एवं चिकित्सा शिक्षा के विस्तार के लिए एसोसिएशन की ओर से हरसंभव सहयोग दिए जाने की बात कही। उन्होंने कहा कि आईएमए शासन और चिकित्सा सेवा प्रदाता के बीच समन्वय का दायित्व पूरी प्रतिबद्धता से निभाएगी। कार्यक्रम में विधायक सर्वश्री पुरंदर मिश्रा, सुनील सोनी, आईएमए छत्तीसगढ़ के अध्यक्ष डॉ. प्रभात पाण्डेय, डॉ. पूर्णेन्दु सक्सेना सहित इंडियन मेडिकल एसोसिएशन के पदाधिकारी और बड़ी संख्या में चिकित्सक उपस्थित थे।

डॉ. रमन सिंह ने की पीएम नरेन्द्र मोदी से मुलाकात

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने अपने नई दिल्ली प्रवास के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से आत्मीय मुलाकात की. इस मुलाकात के दौरान डॉ. रमन सिंह ने पीएम मोदी को आदिशक्ति मां बम्लेश्वरीका छायाचित्र भेंट किया, जिस पर प्रधानमंत्री ने आभार जयाया है. इसके साथ ही डॉ. रमन सिंह ने पीएम मोदी को छत्तीसगढ़ प्रदेश के रजत जयंती वर्ष में प्रवेश की जानकारी साझा करते हुए प्रदेश के ऐतिहासिक और सांस्कृतिक महत्व पर प्रकाश डाला. उन्होंने पीएम मोदी को छत्तीसगढ़ आने के लिए आमंत्रित किया है। प्रधानमंत्रीसे चर्चा के दौरान राज्य के विकास, जनहित योजनाओं और प्रदेश के समग्र उत्थान से जुड़े विभिन्न विषयों पर सकारात्मक संवाद हुआ।

डॉ. रमन सिंहने इस मुलाकात को प्रदेश के लिए हितकारी बताते हुए प्रधानमंत्रीके मार्गदर्शन को छत्तीसगढ़ के विकास के लिए नई ऊर्जा और दिशा प्रदान करने वाला बताया।

जगदलपुर में जल्द शुरू होगा सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल, स्वास्थ्य मंत्री ने निर्माण कार्य का लिया जायजा

श्रीकंचनपथ न्यूज

जगदलपुर। बस्तर अंचल में स्वास्थ्य सुविधाओं को बेहतर बनाने के लिए मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की मंशानुरूप जगदलपुर में सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल का निर्माण किया जा रहा है। जगदलपुर मेडिकल कॉलेज के सामने तैयार हो रहे इस सुपर स्पेशियलिटी अस्साल से बस्तर अंचल के लोगों को अत्याधुनिक इलाज की सुविधा मिलेगी। स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने आज जगदलपुर के मेडिकल कॉलेज, महारानी जिला चिकित्सालय और निर्माणाधीन सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल का निरीक्षण किया और अधिकारियों को निर्माणाधीन अस्पताल को पूर्ण कराने और इस अस्पताल को जल्द शुरू करने के लिए सिटी स्कैन, एमआरआई अन्य चिकित्सा उपकरणों की शीघ्र व्यवस्था करने के निर्देश दिए।

स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल के चिकित्सकों तथा अन्य पैरामेडिकल स्टॉफ के आवासीय व्यवस्था उपलब्ध कराने अधिकारियों को निर्देश दिए। उन्होंने स्व. श्री बलीराम कश्यप मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल के शिशु वार्ड का विस्तार करने सहित सीसीटीवी के समुचित परिचालन हेतु ऑपरेटर नियुक्त किए जाने के भी निर्देश दिए। उन्होंने जगदलपुर में नवजात शिशुओं के गहन चिकित्सा इकाई, शिशु वार्ड तथा सर्जिकल वार्ड का भी जायजा लिया। उन्होंने अस्पताल में आए मरीजों तथा उनके परिजनों से अस्पताल की सुविधाएं के बारे में जानकारी ली।

ओपीडी, आईपीडी और आईसीयू का निरीक्षण

स्वास्थ्य मंत्री जायसवाल ने महारानी जिला चिकित्सालय एवं मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य अस्पताल के ओपीडी, आईपीडी और आईसीयू का निरीक्षण कर विभिन्न वार्डों में भर्ती मरीजों से रूबरू हुए। उन्होंने मरीजों तथा उनके परिजनों से नि:शुल्क दवा योजना के साथ ही अस्पताल की सुविधाओं की जानकारी ली। श्री जायसवाल ने अस्पताल में साफ-सफाई, पर्ची काउंटर, हेल्पडेस्क काउंटर, मातृ शिशु केन्द्र, लेबर रूम, सिटी स्कैन सेन्टर सहित विभिन्न वार्डों का निरीक्षण किया। जायजा लिया और अस्पताल के दवा स्टोर पर दवाईयों की उपलब्धता की जानकारी ली। इस दौरान विधायक चित्रकोट विनायक गोयल सहित अनेक जनप्रतिनिधि और वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी तथा अन्य चिकित्सक एवं अधिकारी मौजूद थे।

जिले में स्वास्थ्य सुविधाओं में हो रही लगातार बढ़ोत्तरी

कलेक्टर दीपक अग्रवाल के दिशानिर्देश और मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. गार्गी यदु पाल के मार्गदर्शन में जिले के सरकारी स्वास्थ्य संस्थाओं में निरंतर स्वास्थ्य सेवाओं और सुविधाओं में बढोत्तरी हो रही है। जिससे स्वास्थ्य संस्थाओं के प्रति आम जनता का विश्वास भी बढा है, इसी विश्वास का प्रतिफल है कि जिले में अधिकांश प्रसव सरकारी स्वास्थ्य संस्थाओं में हो रहे है। इसी संदर्भ में विकासखंड छुरा अंतर्गत प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र खड़मा में 48 घंटे के अंदर नॉर्मल डिलीवरी के माध्यम से 7 नवजात बच्चों की किलकारियां गुंजी। इसके लिए चिकित्सा अधिकारियों एवं मेडिकल स्टाफने तत्परता एवं सजगता से कार्य करते हुए प्रसव कार्य को सम्पन्न कराने में योगदान दिया। सुरक्षित प्रसव के पश्चात प्रसूतियों के परिजनों ने बेहतर सेवाओं के लिए खुशी जाहिर करते हुए शासन प्रशासन का आभार जताया है।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950